जनता के गोठ

● वर्ष –01 ● अंक– 21 ● रायपुर, गुरुवार 27 नवम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ– 08 ● मूल्य– 2 रुपया ● संपादक– शुभम वर्मा ● RNI : CTBIL/25/A1787

संक्षिप्त समाचार

वैष्णो देवी यूनिवर्सिटी छात्रों का भविष्य बर्बाद कर रही सरकार

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंसके नेता और श्रीनगर से लोकसभा सांसद आगा सैयद रूहुल्लाह मेहदी ने सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने श्री माता वैष्णो देवी यूनिवर्सिटी (कटरा) में मेरिट छात्रों के साथ हो रहे अन्याय को लेकर गहरी नाराजगी जताई और कहा कि सरकार जानबूझकर जम्मू-कश्मीर के हजारों युवाओं का भविष्य बर्बाद कर रही है। एनसी सांसद रूहुल्लाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, पिछले एक साल से अधिक समय से वैष्णो देवी यूनिवर्सिटी के मेधावी छात्र न्याय की गुहार लगा रहे हैं। पहले सरकार ने कहा था कि 6 महीने में मामला सुलझा लेंगे, वो 6 महीने एक साल में बदल गए। चुनाव से पहले बडगाम में कहा गया कि बस कुछ दिन और, वो 'कुछ दिन' अब एक महीने से ज्यादा हो चुके हैं। अब अगर कभी सुलझा भी लिया तो खोया हुआ एक साल और हजारों वैकेंसी कौन लौटाएगा? रूहुल्लाह ने इसे 'नौजवानों का दम घोंटने' वाला कृत्य बताया और सवाल उठाया कि क्या यह सब सिर्फ इसलिए हो रहा है क्योंकि वे इन छात्रों की आवाज उठा रहे हैं।

गोल्ड माइनिंग में निवेश पर 5 साल तक कोई टैक्स नहीं

नई दिल्ली। अफगानिस्तान में सत्ता परिवर्तन के बाद अब वहां की सरकार ने भारतीय निवेशकों को लुभाने के लिए 'रेड कार्पेट' बिछा दिया है। 6 दिवसीय भारत दौरे पर आए अफगानिस्तान के उद्योग और वाणिज्य मंत्री अलहाज नूरुद्दीन अजीजी ने सोमवार को एक बड़ा ऐलान करते हुए भारतीय कंपनियों से निवेश की अपील की है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनकी सरकार गोल्ड माइनिंग (सोने के खनन) सहित नए क्षेत्रों में पैसा लगाने वाली कंपनियों को पांच साल तक टैक्स में पूर्ण छूट देने के लिए तैयार है। एसोचैमद्वारा आयोजित एक इंटरैक्टिव सत्र में बोलते हुए उन्होंने भारतीय कारोबारियों को अफगानिस्तान की 'जबरदस्त क्षमता' का फायदा उठाने का न्योता दिया। मंत्री अजीजी ने निवेशकों के लिए खजाना खोलते हुए कई लुभावने वादे किए।

प्रॉपर्टी विवाद में ट्रिपल मर्डर से दहला शहर

पटना। बिहार की राजधानी पटना में कानून व्यवस्था को चुनौती देते हुए अपराधियों और उग्र भीड़ ने मिलकर 'ट्रिपल मर्डर' की खौफनाक वारदात को अंजाम दिया है। रामकृष्णा नगर थाना क्षेत्र के भूपतीपुर इलाके में रविवार को गोलियों की तड़तड़ाहट और उसके बाद भीड़ के हिंसक तांडव ने पूरे शहर को सन्न कर दिया। यहाँ कथित तौर पर एक प्रॉपर्टी विवाद की रंजिश में पहले बदमाशों ने एक बुजुर्ग को गोलियों से छलनी कर दिया, जिसके बाद आक्रोशित भीड़ ने 'इंसाफ' अपने हाथ में लेते हुए भाग रहे दोनों हमलावरों को घेर लिया और पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। एक ही साथ तीन लाशें गिरने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। वारदात की शुरुआत तब हुई जब बाइक पर सवार होकर आए बेखौफ बदमाशों ने 65 वर्षीय अशर्फी नामक व्यक्ति को निशाना बनाया।

ट्रक ने वाहन को मारी पीछे से टक्कर

सड़क हादसा में सेना के दो जवान समेत पांच की मौत

जांजगीर-चांपा/ संवाददाता

जांजगीर चांपा जिले के सुकली एनएच 49 पर एक ट्रक और स्कॉर्पियो वाहन में जोरदार भिड़ंत हुई है। जिसमें भारतीय सेना के दो जवान सहित पांच लोगों की मौत हुई है और लोग गंभीर रूप से घायल हुए है। जिन्हें बिलासपुर रेफर किया गया है। सभी मृतकों के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिए हैं। घटना के बाद ट्रक चालक फरार है, उसकी तलाश जारी है। वाहन को पुलिस ने जब्त किया है। घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी अनुसार, देवांगन समाज में शादी होने पर सभी बलौदा ब्लॉक के पंतोरा बरात में गए थे। वहां से रात को लौट रहे थे, इस बीच स्कॉर्पियो में आठ लोग सवार थे। वहीं, बिलासपुर की तरफसे तेज रफ्तार ट्रक आ रहा था, तभी दोनों के बीच जोरदार भिड़ंत हुई थी। घटना रात करीबन 12.30 से एक बजे की बीच की है। हादसे में स्कॉर्पियो के बैठे चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और एक व्यक्ति ने बिलासपुर जाने से पहले रास्ते में दम तोड़ दिया। वहीं, 3 व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है, जिन्हें बिलासपुर सिम्स अस्पताल भर्ती कराया गया है। तीनों की स्थित स्थिर बताई जा रही है। मृतकों में दो इंडियन आर्मी के जवान थे। जिसमें राजेंद्र कश्यप और पोमेशवर जलतारे शामिल हैं। जिसमें राजेंद्र कश्यप जम्मू कश्मीर के श्रीनगर में पोस्टेड थे। उनकी 18 नवंबर को ही रोगदा गांव में शादी हुई थी। दो महीने की छुट्टी में गांव आए हुए थे। वहीं, पोमेशवर जलतारे की पोस्टिंग सिक्किमी में थी, उनकी,शादी को पांच साल हो चुके हैं और उनकी तीन साल का बच्चा भी है। वह 12 नवंबर को एक माह की छुट्टी में आये हुए थे। एसपी विजय कुमार पाण्डेय ने कहा कि ट्रक मालिक से बात हो चुकी है। वाहन को जब्त किया गया है, ट्रक चालक मौके से फरार है, उसको तलाश किया जा रहा है। मृतकों का नाम विश्वनाथ देवागन पिता सुखरु देवागन (उम्र 43) राजेंद्र कश्यप पिता कोमल कश्यप (उम्र 27) पोमेश्वर जलतारे पिता पुरुषोत्तम जलतारे (उम्र 33) भूपेंद्र साहू पिता रेशम साहू (उम्र 40) कमलनयन साहू पिता रामचरण साहू (उम्र 22) घायलों का नाम सत्य नारायण साहू (35) संतोष साहू (30) दीपक केवट (25)। इस भीषण दुर्घटना और ड्राइवर की गिरफ्तारी न होने से गुस्साए नवागढ़ के लोगों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। ये घटना नवागढ़ में राछाभाटा चौक के पास हुई। मांग की जा रही है कि फरार ट्रक ड्राइवर की तत्काल गिरफ्तारी हो, मृतकों के परिजनों को तत्काल मुआवजा दिया जाए। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है और पुलिस लोगों को समझाने का प्रयास कर रही है। दुर्घटनाग्रस्त ट्रक सड़क से नीचे उतरकर खेत के पास स्थित झाड़ियों में जा घुसा था। कलेक्टर जन्मेजय महोबे, एसपी विजय पांडेय और विधायक व्यास कश्यप ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और लोगों से घटना की जानकारी ली। जिला अस्पताल में परिजनों और ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने स्थल निरीक्षण कर मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी चालक की तलाश जारी है। हादसे की गंभीरता और वाहन के हालात को देखते हुए तेज रफ्तार और लापरवाही को बड़ी वजह माना जा रहा है।

कहां के रहने वाले थे मृतक

नवागढ़ नगर पंचायत के शांति नगर क्षेत्र में रहने वाले देवांगन परिवार की शादी मंगलवार को पंतोरा गांव में थी. जिसमें शामिल होने के लिए एक वाहन में सवार होकर 8 लोग गए थे.शादी में शामिल होने के बाद सभी वापस घर लौट रहे थे.जैसे ही वाहन सुकली गांव के पास पहुंचा बिलासपुर से रायगढ़ की ओर जा रहे ट्रक ने पीछे से वाहन को जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर के बाद वाहन घूम गया और सामने से ट्रक से टकराया. हादसे में वाहन के परखच्चे उड़ गए और घटनास्थल पर ही दो लोगों की मौत हो गई.

पुलिस ने पहुंचाया अस्पताल

घटना की सूचना मिलने के बाद डायल 112 और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची.तब तक एक और युवक की गंभीर चोट लगने के कारण मौत हो चुकी थी.वहीं 3 घायलों को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया,जहां से उन्हें सिम्स अस्पताल बिलासपुर रेफर किया गया. घटना रात साढ़े 12 से 1 बजे के बीच हुई है. मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम करके परिजनों को बुधवार सुबह सौंपा गया है.घटना की जानकारी मिलने के बाद प्रशासनिक अमला भी मौके पर पहुंचा और घटनास्थल का जायजा लिया.

संविधान पर सीजेआई सूर्यकांत बोले

संविधान की पवित्रता बनाए रखने में बार अपरिहार्य है....

नयी दिल्ली/ एजेंसी

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने बुधवार को कहा कि कानून के शासन को मजबूत करने और संविधान की पवित्रता को बनाए रखने में बार का महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने कमजोर और हाशिए पर पड़े लोगों को कानूनी सहायता प्रदान करने में इसके महत्व पर भी जोर दिया। 'सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन' (एससीबीए) द्वारा आयोजित संविधान दिवस समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि न्यायपालिका ने बार की गरिमा की रक्षा में उसकी अमूल्य भूमिका को बार-बार स्वीकार किया है। उन्होंने कहा, ''जब हम उस ऐतिहासिक क्षण का जश्न मना रहे हैं जब भारत के लोगों ने स्वयं को अपना सबसे मौलिक वचन दिया था, तब मैं आपके समक्ष खड़ा हूं और इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि कानून के राज को सुदृढ़ करने तथा हमारे संविधान की पवित्रता को बनाए रखने में बार का एक अपरिहार्य स्थान है सीजेआई ने कहा, ''मैं यह कहने में संकोच नहीं करता कि यदि अदालतों को संविधान के प्रहरी माना जाता है, तो बार के सदस्य वे मशालवाहक हैं जो हमारे मार्ग को आलोकित करते हैं। वे हमें अपनी गंभीर संवैधानिक जिम्मेदारियों को स्पष्टता और दृढ़ विश्वास के साथ निभाने में सहायता करते हैं।''उन्होंने कहा कि वह अक्सर न्यायिक प्रणाली के अदृश्य पीड़ितों के बारे में बात करते हैं और उनका दृढ़ विश्वास है कि केवल बार ही उन्हें ऐसी पीड़ा से बाहर निकाल सकता है।

चीन की नई चाल : एलएसी पर तेजी से मजबूत कर रहा सैन्य ढांचा

नई दिल्ली। भारत को लेकर चीन का दोहरा रवैया एक बार फिर सामने आया है। एक ओर वह रिश्तों को सामान्य करने की बात करता है, वहीं दूसरी ओर सीमा के पास अपने सैन्य और बुनियादी ढांचे को आक्रामक रूप से विस्तार दे रहा है। अब चीन की नजर तिब्बत से सटे क्षेत्रों पर और ज्यादा केंद्रित हो गई है। चीन तिब्बत के पास मौजूद वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अपनी सैन्य स्थिति मजबूत कर रहा है। इसके लिए कनेक्टिविटी, रसद आपूर्ति और सैनिकों की तैनाती से जुड़ी सुविधाएं तेजी से बढ़ाई जा रही हैं।

कोर्ट में एसआईआर पर हुई सुनवाई

आयोग से एक दिसंबर तक मांगा गया जवाब

नई दिल्ली। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा किए गए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई निर्धारित की है। केरल के मामलों की सुनवाई 2 दिसंबर को तमिलनाडु के मामलों की सुनवाई 4 दिसंबर को और पश्चिम बंगाल के मामलों की सुनवाई 9 दिसंबर को होगी। बिहार के एसआईआर से संबंधित संबंधित याचिकाओं पर भी सुनवाई होगी। केरल एसआईआर मामला स्थानीय निकाय चुनावों के कारण एसआईआर प्रक्रिया के स्थगन के कारण उत्पन्न हुआ है। वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने बताया कि इस मामले से संबंधित याचिकाएँ मद्रास उच्च न्यायालय में पहले ही दायर की जा चुकी हैं। राज्य चुनाव आयोग ने चुनाव आयोग के साथ समन्वय बनाए रखा है।

कर्नाटक सीएम कुर्सी का घमासान

आलाकमान सुलझाएगा मामला को राहुल-सोनिया से होगी बात

नई दिल्ली/ एजेंसी

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को कहा कि वरिष्ठ नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के साथ शीर्ष स्तर पर चर्चा के बाद इस मुद्दे को सुलझा लिया जाएगा। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि वहाँ की जनता ही बता सकती है कि सरकार क्या कर रही है। लेकिन मैं यह कहना चाहूँगा कि हम ऐसे मुद्दों को सुलझा लेंगे। हाईकमान के लोग – राहुल गांधी, सोनिया गांधी और मैं एक साथ बैठकर इस पर विचार-विमर्श करेंगे... हम आवश्यक मध्यस्थता करेंगे। कांग्रेस सरकार के 20 नवंबर को अपने पांच साल के कार्यकाल के आधे पड़ाव पर पहुंचने के बाद राज्य में सीएम बदलने की सुगबुगाहट के बीच हाल के हफ्तों में पार्टी के भीतर सत्ता की खींचतान तेज हो गई है। ऐसा 2023 में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच कथित सत्ता-साझाकरण समझौते की पृष्ठभूमि में हो रहा है। खड़गे की टिप्पणी कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद के चेहरे में बदलाव की बढ़ती अटकलों के बीच आई है, जो सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच 2023 के सत्ता-साझाकरण समझौते से प्रेरित है, जिसका राजनीतिक हलकों में अक्सर उल्लेख किया गया है। इससे पहले, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा था कि वह और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार कांग्रेस आलाकमान के फैसले को स्वीकार करेंगे।

दिल्ली-एनसीआर पहुंची इथियोपिया के ज्वालामुखी की राख

नई दिल्ली। इथियोपिया में हुए हेली गुब्बी ज्वालामुखी विस्फोट का असर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर पड़ने लगा है। विस्फोट के बाद फैली राख मिडिल ईस्ट के कई हिस्सों तक पहुंच गई है, जिससे मस्कट फ्लाइट इन्फॉर्मेशन रीजन से गुजरने वाले रूट प्रभावित हुए हैं। इसी कारण चररूरॉयल डच एयरलाइंस ने दिल्ली-एम्स्टर्डम उड़ान को रद्द कर दिया है। टूलूज वोल्केनिक ऐश एडवाइजरी सेंटर के मुताबिक राख का गुबार अब उत्तर भारत की ओर बढ़ते हुए दिल्ली-एनसीआर तक पहुंच गया है। छतष्ट ने एयरलाइंस और एयरपोर्ट्स को इस संबंध में एडवाइजरी जारी की है। राख के घने बादल आने से दिल्ली-एनसीआर की हवा की गुणवत्ता और खराब होने की आशंका है।

दुर्लभ धातुओं पर सरकार का बड़ा कदम

कैबिनेट से 7280 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन पैकेज को मंजूरी..

नई दिल्ली/ एजेंसी

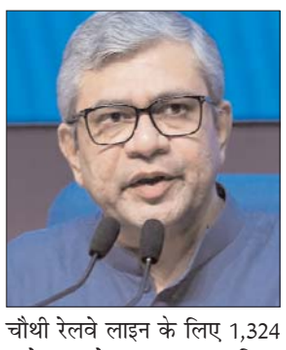

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को बुनियादी ढांचे और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कुल 19,919 करोड़ रुपये की चार बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी। इसमें 7,280 करोड़ की दुर्लभ पृथ्वी स्थायी मैग्नेट निर्माण योजना शामिल है, जो इलेक्ट्रिक वाहनों और रक्षा क्षेत्र के लिए अहम मानी जा रही है। इसके अलावा, पुणे मेट्रो विस्तार के लिए 9,858 करोड़, देवभूमि द्वारका (ओखा)-कनालस रेलवे लाइन के दोहरीकरण के लिए 1,457 करोड़ और बदलापुर-कर्जत तीसरी और चौथी रेलवे लाइन के लिए 1,324 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को होने वाली बैठक में दुर्लभ पृथ्वी स्थायी मैग्नेट के लिए एक नई प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दे दी है। इस योजना के लिए करीब 7,280 करोड़ रुपये का आवंटन प्रस्तावित है, जो पहले के 2,500 करोड़ रुपये के अनुमानित पैकेज से लगभग तीन गुना अधिक है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब चीन ने निर्यात नियंत्रण कड़े कर दिए हैं। चीन वैश्विक दुर्लभ पृथ्वी कच्चे माल का 60-70प्रतिशत और प्रोसेसिंग का 90प्रतिशत हिस्सा नियंत्रित करता है। केंद्रीय सरकार ने दुर्लभ मृदा स्थायी चुम्बक निर्माण को बढ़ावा देने के लिए अपनी तरह की पहली योजना को मंजूरी दी है। इस योजना का उद्देश्य सिंटर किए गए ऋश्वरू के उत्पादन के लिए एकीकृत विनिर्माण सुविधाएं विकसित करना है।

मोदी का देशवासियों को पत्र

संविधान की शक्ति ने साधारण व्यक्ति को पीएम पद तक पहुंचाया

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत आज संविधान दिवस मना रहा है। इस खास दिन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों के लिए चिट्ठी लिखी। पीएम ने अपील की है कि भारत के नागरिकों को अपने सांविधानिक कर्तव्यों को निभाना चाहिए, क्योंकि यह एक मजबूत लोकतंत्र का आधार हैं। पीएम ने अपनी यात्रा का जिक्र करते हुए पत्र में संविधान की शक्ति पर बात की उन्होंने कहा कि यह संविधान की ही ताकत थी जिसकी वजह से ही गरीब परिवार से आने वाले एक साधारण व्यक्ति प्रधानमंत्री पद तक पहुंचा। पीएम ने इस पत्र में आगे मतदान के अधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र को मजबूत करने की जिम्मेदारी पर भी जोर दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि स्कूल और कॉलेज संविधान दिवस को मनाते हुए उन युवाओं को सम्मानित करें जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर पहली बार मतदाता बने हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने महात्मा गांधी के इस विचार को याद किया कि अधिकार, कर्तव्यों के पालन से उत्पन्न होते हैं। उन्होंने कहा कि कर्तव्यों का पालन सामाजिक और आर्थिक प्रगति की नींव है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज लिए गए निर्णय और नीतियां आने वाली पीढ़ियों के जीवन को आकार देंगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे विकसित भारत के संकल्प की ओर बढ़ते हुए अपने कर्तव्यों को सर्वोपरि रखें। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमारा संविधान एक ऐसा पवित्र दस्तावेज है, जो निरंतर देश के विकास का सच्चा मार्गदर्शक बना हुआ है। ये भारत के संविधान की ही शक्ति है जिसने मुझ जैसे गरीब परिवार से निकले साधारण व्यक्ति को प्रधानमंत्री के पद पर पहुंचाया है। संविधान की वजह से मुझे 24 वर्षों से निरंतर सरकार के मुखिया के तौर पर काम करने का अवसर मिला है। मुझे याद है, साल 2014 में जब मैं पहली बार संसद भवन में प्रवेश कर रहा था, तो सीढ़ियों पर सिर झुकाकर मैंने लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर को नमन किया। साल 2019 में जब चुनाव परिणाम के बाद मैं संसद के सेंट्रल हॉल में गया था, तो सहज ही मैंने संविधान को सिर माथे लगा लिया था। मोदी ने अपनी चिट्ठी में संविधान निर्माताओं को भी याद किया। उन्होंने कहा, संविधान दिवस पर हम डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद समेत उन सभी महान विभूतियों का स्मरण करते हैं, जिन्होंने भारत के संविधान के निर्माण में अपना अहम योगदान दिया है। डॉक्टर बाबासाहेब अम्बेडकर की भूमिका को भी हम सभी याद करते हैं, जिन्होंने असाधारण दूरदृष्टि के साथ इस प्रक्रिया का निरंतर मार्गदर्शन किया। संविधान सभा में कई प्रतिष्ठित महिला सदस्य भी थीं, जिन्होंने अपने प्रखर विचारों और दृष्टिकोण से हमारे संविधान को समृद्ध बनाया। पीएम ने अपने पुराने अनुभव का जिक्र करते हुए कहा, साल 2010 में जब संविधान के 60 वर्ष हुए थे।

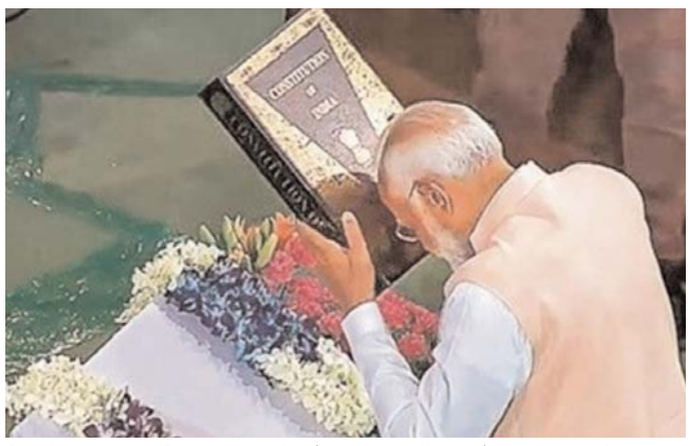

राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों को सर्वोपरि रखने का किया आह्वान

प्रधानमंत्री ने देश के भविष्य के मार्ग पर चर्चा करते हुए कहा, देखते ही देखते इस सदी के 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं। अब आने वाला समय हमारे लिए और भी महत्वपूर्ण है। साल 2047 तक आजादी के 100 वर्ष हो जाएंगे। साल 2049 में संविधान निर्माण के 100 वर्ष पूरे हो जाएंगे। हम आज जो नीतियां बनाएंगे, जो निर्णय लेंगे, उसका प्रभाव आने वाले वर्षों परज्आने वाली पीढ़ियों पर पड़ेगा। हमारे सामने विकसित भारत का लक्ष्य है इसलिए हमें राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को सर्वोपरि रखते हुए ही आगे बढ़ना है। हमें राष्ट्र के प्रति, समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वाह करना होगा। देश ने हमें कितना कुछ दिया है। इसके लिए हम सबके मन में कृतज्ञता का भाव होना चाहिए। जब हम इस भावना से जीवन जीते हैं।

एमएमसी जोन की ओर से प्रेस रिलीज जारी की गई, 15 फरवरी तक अभियान धीमा करने की मांग रखी

नक्सली सरेंडर करने तैयार, समय मांगा, आईजी बोले...वेलकम पर ऑपरेशन रहेगा जारी, नहीं मिलेगी छूट

इधर छग में मार्च 2026 तक नक्सल मुक्त करने डेडलाइन तय

राजनांदगांव। नक्सलियों का गढ़ माना जाने वाले एमएमसी (मप्र, महाराष्ट्र और छग कमेटी) जोन को लेकर बड़ी खबर सामने आई, जहां नक्सलियों ने प्रेस रिलीज जारी कर सरेंडर करने की बात कर रहे हैं। वहीं उन्होंने फरवरी 2026 तक का समय मांगा है। सबसे बड़ी बात नक्सलियों ने तब तक राज्य सरकार से नक्सल अभियान को रोकने की मांग की है। लेकिन उसे लेकर स्पष्ट रूख ये दिख रहा है कि अभियान जारी रहेगा। इस लेकर राजनांदगांव आईजी अभिषेक शांडिल्य से चर्चा की गई तो उन्होंने कहा कि नक्सली सरेंडर करना चाहते हैं तो वेलकम हैं, लेकिन अभियान रोकने का सवाल ही नहीं उठता। मार्च 2026 तक वैसे भी नक्सल मुक्त करने का अभियान चल रहा है। एमएमसी जोन की ओर से प्रवक्ता अनंत ने प्रेस रिलीज जारी कर कहा कि वे 15 फरवरी तक का समय उन्हें दिया जाए। ताकि वे पूरी प्रक्रिया को अपना सके। इसके बाद सरेंडर करने की तारीख भी वह आने समय भी स्पष्ट कर देंगे। तब तक यानी फरवरी तक नक्सल ऑपरेशन को धीमा करने की मांग की गई है। इसके अलावा सरेंडर की बात साथियों तक पहुंचाने में समय लगेगा, इस कारण वे समय चाह रहे हैं। इसके अलावा नक्सलियों ने पीएलजीए सप्ताह के दौरान भी कोई कार्रवाई नहीं करने का अनुरोध किया है। साथ में यह भी कहा कि वे सप्ताह नहीं मनाएंगे। इसके अलावा नक्सलियों ने जनप्रतिनिधियों और पत्रकारों से मिलने का अवसर दिए जाने की बात कही है। ताकि हथियार त्यागने की तारीखों का एलान भी जल्द किया जा सके और साथियों से संपर्क साध सके।

निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के दौरान गणना पत्रक भरने के संबंध में दिशा निर्देश

दुर्ग। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य में अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के संदर्भ में निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण निर्धारित कार्यक्रम अनुसार जारी है। बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा मतदाताओं के बीच यह गलत जानकारी प्रसारित की जा रही है कि गणना पत्रक केवल विशेष रंग की स्याही या पेन से ही भरे जाने पर स्वीकार किए जाएंगे। इस भ्रामक सूचना के कारण मतदाताओं में अनावश्यक भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि गणना पत्रक भरने के लिए किसी भी विशेष रंग की स्याही या पेन का उपयोग अनिवार्य नहीं है। इस संबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा कोई निर्देश जारी नहीं किए गए हैं। सभी BLOs एवं BLO Supervisors को आयोग के वास्तविक दिशा-निर्देशों से अवगत कराते हुए यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि पुनरीक्षण कार्य सही जानकारी, पारदर्शिता और निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप संपादित किया जाए। निर्वाचन कार्यालय ने मतदाताओं से भी अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अपुष्ट जानकारी पर विश्वास न करें ।

शांति नगर वार्ड 14 में 96 लाख रुपए की लागत से डामरीकरण कार्य का भूमिपूजन सम्पन्न

भिलाई नगर। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत शांति नगर वार्ड क्रमांक 14 में अधोसंरचना विकास को लेकर बड़ी पहल की गई है। वार्ड में 96 लाख रुपये की लागत से होने वाले डामरीकरण (सड़क निर्माण) कार्य का विधिवत भूमिपूजन मंगलवार को वैशाली नगर के विधायक रिकेश सेन एवं भिलाई नगर निगम के महापौर नीरज पाल के कर कमलों द्वारा किया गया। यह सड़क निर्माण परियोजना वार्डवासियों की वर्षों पुरानी मांग रही है, जिसका आज साकार रूप दिया गया। डामरीकरण कार्य पूर्ण होने के बाद वार्डवासियों को सुगम, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण सड़क सुविधा प्राप्त होगी, जिससे क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। कार्यक्रम में उपस्थित विधायक रिकेश सेन ने कहा कि– यह परियोजना शांति नगर वार्ड के समग्र विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सड़कें बेहतर होंगी तो नागरिकों के दैनिक जीवन में सुविधा बढ़ेगी और विकास की गति तेज होगी। वहीं महापौर नीरज पाल ने निगम प्रशासन की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा– ÷भिलाई नगर निगम हर वार्ड में समान रूप से विकास कार्य कर रहा है। गुणवत्तापूर्ण निर्माण और समयबद्ध पूरा करना हमारी प्राथमिकता है। कार्यक्रम में स्थानीय पार्षद अभिषेक मिश्रा, कार्यपालन अभियंता अरविंद शर्मा, सहायक अभियंता अर्पित बंजारे सहित बड़ी संख्या में वार्ड के सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे। नागरिकों ने इस महत्वपूर्ण विकास कार्य के लिए विधायक एवं महापौर का आभार व्यक्त किया। डामरीकरण कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्र के लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी का लाभ प्राप्त होगा, जिससे आवागमन सरल होगा और व्यापारिक एवं सामाजिक गतिविधियों में भी तेजी आएगी।

मप्र फोर्स लौटी, नांदगांव पुलिस के 3 सौ जवानों ने खंगाला जंगल, सामान बरामद, 3 नक्सली भी घायल

कनघुर्रा जंगल में 19 नवंबर को हुई थी नक्सली मुठभेड़, सफलता मिली, पुलिस अधिकारियों ने कहा जारी रहेगा अभियान, करेंगे सर्चिंग तेज

राजनांदगांव। डोंगरगढ़ कनघुर्रा के जंगल में पिछले दिनों हुई मुठभेड़ में हॉक इंस्पैक्टर आशीष शर्मा के शहीद होने की घटना के बाद राजनांदगांव पुलिस ने ऑपरेशन तेज किया। उसका असर भी देखने को मिला और मुठभेड़ एरिया में सर्चिंग के दौरान नक्सलियों के दैनिक उपयोग की चीजें, नक्सली दस्तावेज जैसे सामान बरामद हुए हैं। वहीं पुलिस अधिकारियों ने फायरिंग के दौरान तीन नक्सलियों के गंभीर रूप से घायल होने की भी बात कही है, साक्ष्य के रूप में मौके पर खून के धब्बे भी मिले। जानकारी के अनुसार मुठभेड़ के बाद इस ऑपरेशन को लीड कर रही मप्र की फोर्स लौटी और पूरी कमान राजनांदगांव पुलिस ने ली। 300 अतिरिक्त बल जंगल में रवाना किया, जिसके बाद यह रिकवरी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार 19 नवंबर को देर रात मप्र की टीम ने डोंगरगढ़ कनघुर्रा जंगल में नक्सलियों का लोकेशन ट्रेस किया। इसके बाद छग, मप्र और महाराष्ट्र की टीम ने ज्वाइंट ऑपरेशन चलाया। पार्टी जैसे ही घने जंगलों के बीच पहुंची थी, उसी वक्त दर्रेकसा दलम के सदस्यों ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग शुरू कर दी। इसमें हॉक इंस्पैक्टर आशीष शर्मा शहीद हो गए। राजनांदगांव पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के बाद राजनांदगांव पुलिस ने मोर्चा संभाला और अतिरिक्त बल जंगल में भेजा गया। घने जंगलों में तेज सर्चिंग की। इसके बाद मौके से बरामदगी की गई।

पुलिस को जंगल से ये सामान मिले

ज नक्सलियों के वर्दी, पिट्ठू बैग, लिखे हुए दस्तावेज एवं डायरियां, वर्दियां, सोलर पैनल एवं चार्जिंग सेट्स, खाना बनाने के बर्तन, टेंट, तिरपाल , वॉकी-टॉकी सेट, विस्फोटक सामग्री, राशन समान बरामद किए गए हैं।

घायल होने का क्लू पुलिस को ऐसे मिला

कनघुर्रा के जंगल में खून के धब्बे में पुलिस फोर्स को मिले, जिससे स्पष्ट हुआ कि फायरिंग में नक्सली भी घायल हुए हैं। इसके बाद पुलिस को यह भी जानकारी मिली कि नक्सली जब जंगल में भाग निकले, इसके बाद वे घायल साथियों के लिए इलाज व डॉक्टर की व्यवस्था करने के लिए प्रयास कर रहे थे, लेकिन स्थानीय ग्रामीणों की मनाही के बाद वे आगे निकल गए।

सुप्रीम कोर्ट निर्देशः संस्थानों में आवारा कुत्तों से सुरक्षा व्यवस्था होगी कड़ी

दुर्ग। नगर पालिक निगममाननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सुओ-मोटो रिट पिटीशन (सिविल) के तहत दिए गए निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने हेतु आज नगर पालिक निगम दुर्ग में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों में आवारा कुत्तों के प्रवेश पर रोक लगाने और नागरिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल दिया गया। जैसे भीड़भाड़ एवं संवेदनशील स्थलों में फेंसिंग, बाउंड्री वॉल, गेट, सीसीटीवी कैमरा एवं सुरक्षा कर्मियों की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, जिससे आवारा कुत्तों का प्रवेश रोका जा सके। निगम अधिकारियों ने कहा कि परिसर में स्वच्छता एवं रख-रखाव की मजबूत व्यवस्था को अनिवार्य रूप से लागू किया जाएगा, ताकि कुत्तों को भोजन या ठहरने का कोई कारण न मिले। प्रत्येक संस्थान में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा, जो निम्न कार्यों के लिए पूरी तरह उत्तरदायी रहेगा। निर्देश हुए हैं कि नियुक्त नोडल अधिकारी का नाम मोबाइल नंबर निदान हेल्पलाइन 1100 संस्थान के मुख्य प्रवेश द्वार के निकट प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए, जिससे किसी भी समस्या की जानकारी तुरंत निगम तक पहुंच सके। निर्देशों के पालन हेतु नगर पालिक निगम दुर्ग ने शहर के सभी चिन्हांकित संस्थानों को आधिकारिक पत्र जारी कर कार्यवाही शुरू कर दी है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि स्वच्छता एवं सुरक्षा मानकों के पालन में लापरवाही करने वाले संस्थानों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। निगम का यह कदम नागरिकों, विशेषकर बच्चों, मरीजों, खिलाड़ियों एवं दैनिक यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है, जिससे भविष्य में किसी भी तरह की दुर्घटना और दिक्कतों को रोका जा सके। नागरिक स्वच्छता एवं जनहित में सहयोग करें, कुत्तों को सड़क व सार्वजनिक परिसरों में भोजन न कराएं।

कलेक्टर सिंह ने की एफआईआर की प्रगति की समीक्षा गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन कार्य तेज करने के दिए निर्देश

दुर्ग। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के संदर्भ में निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य तेज गति से जारी है। जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बीएलओ द्वारा मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं तथा प्राप्त भरे हुए प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन कार्य प्रगति पर है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिजीत सिंह ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक लेकर विधानसभा क्षेत्रों–64 दुर्ग शहर, 65 भिलाई नगर एवं 66 वैशाली नगर– में डिजिटाइजेशन कार्य की प्रगति की समीक्षा की। विधानसभा 64 दुर्ग शहर की समीक्षा बैठक नगर पालिक निगम दुर्ग के सभाकक्ष में तथा 65 भिलाई नगर एवं 66 वैशाली नगर की बैठक नगर पालिक निगम भिलाई कार्यालय में आयोजित की गई। बैठकों में संबंधित क्षेत्रों के नगर पालिक निगम आयुक्त, अतिरिक्त जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और सभी सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कम डिजिटाइजेशन प्रतिशत वाले मतदान केंद्रों को चिन्हांकित कर विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने निर्वाचन/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को आगामी 3-4 दिनों में डिजिटाइजेशन प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

साथ ही उन्होंने निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समय सीमा को ध्यान रखते हुए सभी गणना प्रपत्रों का शत प्रतिशत डिजिटाइजेशन कार्य समय पर पूर्ण करने के निर्देश भी जारी किए। जिला प्रशासन द्वारा स्ढ्ढक्र 2026 को सफलतापूर्वक और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए निरंतर निगरानी और समीक्षा की जा रही है।

एसआरआईपी में 'नैनोमेडिसिन फॉर प्रिसीजन थेरेपी' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन संम्पन्न

कुम्हारी। श्री रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफफार्मेसी में ANRF द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन 21-22 नवंबर को किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व संस्थान के निदेशक एवं प्राचार्य प्रो. एस. प्रकाश राव ने किया, जो इस संगोष्ठी के आयोजन सचिव भी रहे, जबकि डॉ. तिलोतमा साहू ने संयोजक एवं आस्था वर्मा ने सह-संयोजक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ए एन आर एफ द्वारा प्रायोजित इस प्रतिष्ठित शैक्षणिक कार्यक्रम को एस आर आई पी तक लाने में महत्वपूर्ण योगदान के लिए डॉ. तिलोतमा साहू को विशेष धन्यवाद प्रदान किया गया। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. एस. दहरवाल, निदेशक, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ फ़ार्मेसी, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर उपस्थित रहे। अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में उन्होंने आधुनिक फार्माकोलॉजी में नैनो टेक्नोलॉजी की परिवर्तनीय क्षमता और लक्षित उपचार विकसित करने में इसकी बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में कई ज्ञानवर्धक तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। पहला सत्र प्रो. शेखर वर्मा, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा प्रस्तुत किया गया। व्याख्यान में नैनो कणों द्वारा दवा की घुलनशीलता, जैवउपलब्धता और लक्षित डिलीवरी में होने वाले सुधारों पर विस्तार से चर्चा की गई। दूसरे सत्र में डॉ. बीना गिडवानी ने नैनो टेक्नोलॉजी द्वारा प्रिसीजन मेडिसिन को कैसे नई दिशा मिल रही है और किस प्रकार आनुवंशिक एवं आणविक प्रोफ़ाइल के आधार पर व्यक्तिगत उपचार संभव हो रहा है, इस पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इसके बाद डॉ. अजाजुद्दीन, रजिस्ट्रार एवं एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर (आर एंड डी), रुंगटा इंटरनेशनल स्किल्स यूनिवर्सिटी, भिलाई ने विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने इनके माध्यम से दवाओं की स्थिरता, फार्माकोकाइनेटिक्स और लक्षित डिलीवरी में होने वाले लाभों को रेखांकित किया। संगोष्ठी का अंतिम सत्र डॉ. मंवेन्द्र सिंह करछुली, सीनियर मैनेजर, प्रीक्लिनिकल एवं टॉक्सि कोलॉजी, बैक्सटर (अहमदाबाद) द्वारा लिया गया। उन्होंने नैनोमेडिसिन की विषाक्तता मूल्यांकन पर प्रकाश डालते हुए सुरक्षा परीक्षण की अनिवार्यता एवं क्लिनिकल अनुप्रयोग में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

जामगांव आर में बनेगा 'महतारी सदन', जिला पंचायत सभापति कल्पना नारद साहू ने किया भूमिपूजन

जामगांव आर। दक्षिण पाटन क्षेत्र के प्रमुख ग्राम जामगांव आर में महतारी सदन का निर्माण किया जाएगा। इसके निर्माण कार्य का भूमिपूजन 21 नवंबर 2025 को जिला पंचायत दुर्ग की सभापति कल्पना नारद साहू द्वारा विधि-विधान के साथ किया गया। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को समर्पित यह सामुदायिक भवन 30 लाख रुपए की लागत से निर्मित होगा। भूमिपूजन कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए सभापति कल्पना नारद साहू ने कहा कि महतारी सदन का निर्माण माताओं और बहनों के लिए सुरक्षित, सशक्त और बहुउद्देशीय सामुदायिक मंच उपलब्ध कराने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह भवन महिलाओं की तरक्की और उनके सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण का आधार बनेगा और प्रदेश के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे केंद्र विकसित होने से महिलाओं को प्रशिक्षण, सांस्कृतिक कायक्रम तथा समूह गतिविधियों के संचालन में सहायता मिलेगी।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से– रामकुमार चंद्राकर, सदस्य जनपद पंचायत पाट, नारद साहू, अध्यक्ष भाजपा युवा मोर्चा दक्षिण पाटन रूपेंद्र शुक्ला, सरपंच जामगांव आर मुकेश साहू, उपसरपंच, शैलींद्री मंडावी, मंत्री जिला भाजपा दुर्ग, के. एल. साहू, कन्हैयालाल साहू, धर्मेंद्र निर्मल, पुनेन्द्र सिन्हा, सीताराम साहू, नरेश केला, भगवान चंद्राकर, पंकज, गनेश्वर साहू, नंदनी साहू, दामिन साहू, पंडित मुकेश शुक्ल, मेघनाथ सागरवंशी, संतोष, मनहरण, शरद, संतु यादव, तीरथ चंद्राकर सहित अनेक ग्रामीणजन उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने महतारी सदन के निर्माण को महिलाओं के हित में उठाया गया सराहनीय निर्णय बताया।

सीजी पीएससी 2025 में 32वीं रैंक प्राप्त कर नायब तहसीलदार बने योगेंद्र निर्मल

गांव पहुंचने पर पूर्व जिपं.उपाध्यक्ष अशोक साहू, जनपद सदस्य दिनेश साहू, सरपंच भगवती मुकेश साहू व ग्रामीणों द्वारा आत्मीय स्वागत

पाटन। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम भनसुली (के) निवासी योगेंद्र निर्मल पिता वासुदेव निर्मल ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा 2024 में 32वीं रैंक प्राप्त कर नायब तहसीलदार पद हासिल किया है। छोटे से गांव में पले-बढ़े योगेंद्र प्रारंभ से ही मेधावी रहे हैं। किसान परिवार से आने वाले योगेंद्र पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों में भी सदैव सक्रिय रहे हैं। उनका परिवार गायत्री परिवार से जुड़कर आध्यात्मिक जनजागरण के क्षेत्र में भी कार्यरत है। इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने 2019 से CGPSC की तैयारी प्रारंभ की और रायपुर स्थित सेंट्रल लाइब्रेरी में नियमित अध्ययन किया। यह उनका पांचवां प्रयास था। इससे पूर्व पिछले वर्ष 114वीं रैंक के साथ सहकारिता निरीक्षक पद पर चयनित होकर सफलता हासिल की थी। गांव में हुआ भव्य स्वागत-ग्राम आगमन पर ग्रामीणों द्वारा ढोल-ढमाकों और बैंड-बाजों के साथ भव्य स्वागत किया गया तथा पूरे गांव में सम्मानपूर्ण जुलूस निकाला गया। पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं विधायक प्रतिनिधि अशोक साहू ने बधाई देते हुए कहा–पाटन विधानसभा क्षेत्र के हमारे गौरव, योगेंद्र निर्मल को CGPSC 2024 में 32वीं रैंक प्राप्त कर नायब तहसीलदार पद पर चयनित होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। आपकी उपलब्धि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए प्रेरणा है। मैं आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं। जनपद सदस्य दिनेश साहू और सरपंच भगवती मुकेश साहू ने इसे ग्राम के लिए ऐतिहासिक क्षण बताते हुए अनंत शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित-टुकेश निर्मल (सोसायटी अध्यक्ष), गैंदलाल डहरिया (पूर्व जप), डॉ. के.के. साहू, नीलमनी साहू, रामनारायण साहू (परिक्षेत्र अध्यक्ष), पद्मभूषण साहू (उपसरपंच), विनोद साहू (सचिव), अजय निर्मल, दानीराम तारक, महेश साहू, देवेंद्र साहू, भूषण मंडल, मानसिंह मंडल, केके साहू बल्लू, अनिल साहू (शिक्षक), पिंकेश साहू, दिनेश साहू, मंथीर साहू, राकेश साहू, महेंद्र हिरवानी, मुकेश साहू, पिंकेश सेन, महेश साहू, सुंदर साहू, जनार्दन सेन, जगदीश देवांगन, प्रीतम निर्मल, कुंदन निर्मल, तोषण तारक सहित भारी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान प्राईस सपोर्ट स्कीम के तहत खरीफविपणन वर्ष 2025-26 एवं रबी वर्ष 2026-27 उपार्जन के लिए अवधि निर्धारित

बिलासपुर। कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा गतवर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम आशा) के तहत प्राईस सपोर्ट स्कीम (पीएसएस) के अंतर्गत खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अधिसूचित फसलें अरहर, मूंग, उड़द, मूंगफली, सोयाबीन एवं रबी विपणन वर्ष 2026-27 हेतु अधिसूचित फसलें चना, मसूर एवं सरसों का न्यूनतम समर्थन मूल्य पर प्राथमिक सहकारी समिति (पैक्स) के माध्यम से उपार्जन किया जा रहा है। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने प्रदेश के किसानों से एकीकृत किसान पोर्टल में अपने फसल रकबे का पंजीयन कराने की अपील की है। खरीफ फसलें मूंग, उड़द, मूंगफली एवं सोयाबीन की उपार्जन अवधि 01 दिसंबर 2025 से 28 फरवरी 2026 एवं अरहर फसल हेतु 15 फरवरी 2026 से 15 मई 2026 है तथा रबी फसलें सरसों हेतु उपार्जन अवधि 15 फरवरी 2026 से 15 मई 2026 एवं चना, मसूर फसल हेतु उपार्जन अवधि 01 मार्च 2026 से 30 मई 2026 है। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने किसानों से अपील करते हुए कहा है कि खरीफ फसलें अरहर, मूंग, उड़द, मूंगफली, सोयाबीन के उत्पाद के विक्रय हेतु अपने नजदीकी सहकारी समितियों में जाकर एकीकृत किसान पोर्टल में अपने फसल रकबे का अनिवार्य रूप से पंजीयन करावें। अधिक जानकारी हेतु कृषि विभाग के मैदानी अमले एवं उप संचालक कृषि से संपर्क करें।

नगर में विद्युत पोल के बीच केबल, तारों के जाल में फंसकर विद्युत व्यवस्था चरमराई

बिलासपुर। नगर में जहाँ तहाँ बीच-बीच में बीच मुख्य सड़कों पर बिजली के खंभों पर लगे केबल व तारों के मकड़जाल बिजली व्यवस्था का मुंह चिढ़ा रहे हैं। कोर्ट के आदेश के बाद कुछ दिनों तक तारों को व्यवस्थित किया गया है, लेकिन दोबारा शहर की सड़कों पर एक बार फिर केबल और तार दिखाई देने लगे है। बिजली के ढीले तार, उलझे हुए तारों के कारण आए दिन शॉर्ट सर्किट और आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं। कुछ दिनों में शहर के कई हिस्सों जैसे महाराणा प्रताप चौक, लिंक रोड, व्यापार विहार, मंगला, मसानगंज, जूनी लाइन, तालापारा, जूना बिलासपुर और सरकंडा क्षेत्र में तारों के जाल दिखाई दें रहे हैं। इसके चलते शॉर्ट सर्किट की घटनाएं सामने आती हैं। ज्यादातर खंबों में लैंड लाइन, टीवी केबल, फाइबर केबल के जाल हैं। वहीं पुराने और जर्जर तारों का भी उचित प्रबंधन नहीं किया गया है। कुछ माह पहले कोर्ट के निर्देश के बाद बिजली अधिकारियों ने केबल हटाया था, लेकिन एक बार फिर शहर की सड़कों पर केबल व तारों के जाल दिखने लगे है। ठोस योजना नहीं जानकारों के मुताबिक कुछ साल पहले स्मार्ट सिटी के तहत सड़कों पर फैले तारों के जालों को व्यवस्थित करने की योजना बनाई गई थी लेकिन यह ठंडे बस्ते में जा चुकी है। भूमिगत केबलिंग जैसी योजनाएं भी केवल प्रस्तावों तक सिमटी हुई है।

सुरेश सिंह बैस धरा वंदन ने उत्कृष्ट साहित्य शौर्य सम्मान से सम्मानित किया

बिलासपुर। धरा वंदन छत्तीसगढ़ साहित्य एवं संस्कृति मंच द्वारा आयोजित पुस्तक विमोचन व कवि सम्मेलन में नगर के विख्यात व वरिष्ठ साहित्यकार सुरेश सिंह बैस को उत्कृष्ट साहित्य शौर्य सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया है। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने सम्मानित करते हुए इन्हें सम्मान पत्र, स्मृति चिन्ह, अंग वस्त्र व तिरंगे में लिपट जाऊं नामक साहित्य पत्रिका भेंट की गई। ज्ञात हो तिरंगे में लिपट जाऊं पुस्तक में श्री बैस के सृजन को सम्मिलित किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ विनय मोहन पाठक विशिष्ट अतिथि के रूप में समाज सेवी प्रवीण झा, प्रीति जैन, रमेश चंद्र श्रीवास्तव उपस्थित थे। इस अवसर पर उपस्थित कमलेश लवहात्रे, अमृत पॉपुला व प्रभात गुप्ता ने इन्हें सम्मान के लिए अपनी शुभकामनाएं दी है। ज्ञात हो इस समारोह में शौर्य और वीर रस से ओतप्रोत रचनाओं का अनेक कवियों ने वाचन कर उपस्थित माहौल को वीर रस से सरोबार कर दिया। समारोह सुबह 11:00 से सायं 5:00 बजे समाप्त हुआ। कार्यक्रम में अनेक प्रदेशों से आए हुए कवियित्री, कवियों ने अपनी रचनाओं का पाठ किया।

ट्रेलर से डीजल चोरी करते दो युवक गिरफ्तार

बिलासपुर। नेशनल हाइवे में खड़े ट्रेलर से डीजल चोरी करते स्कार्पियो सवार दो युवकों को ट्रेलर के ड्राइवरों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा है। पुलिस ने गाड़ी जब्त कर दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया है।रतनपुर थाना प्रभारी कमलेश बंजारे ने बताया, परसदा निवासी सुरेन्द्र कैवर्त रात में नेशनल हाइवे ङ्क खैरखंडी में सड़क किनारे ट्रेलर खड़े कर सो गए थे। वहीं आसपास अन्य भारी वाहन खड़े हुए थे। देर रात स्कार्पियो से दो युवक आए और उनके ट्रेलर की टंकी का लाक तोड़कर पाइप डालकर डीजल चोरी करने लगे। इसी दौरान गाड़ी में सो रहे ड्राइवर को भनक लग गई। उसने अन्य गाड़ियों के ड्राइवरों के साथ मिलकर डीजल चोरी करते परसदा निवासी विजय कुमार केंवट, शनि कुमार केंवट को पकड़ लिया।

कलेक्टर ने साप्ताहिक जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं

सेवानिवृत्त सचिवों ने अंशदायी पेंशन के लिए लगाई गुहार

■ पूर्व सरपंच पर अवैध कब्जे की शिकायत, कलेक्टर ने दिए जांच के आदेश

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने साप्ताहिक जनदर्शन में आज दूर-दराज से पहुंचे ग्रामीणों की फरियाद सुनी। उन्होंने एक-एक कर प्रत्येक व्यक्ति से मुलाकात कर उनका आवेदन लिया और आवश्यक कार्रवाई के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। लोगों ने जनदर्शन में व्यक्तिगत एवं सामुदायिक हित से जुड़े विषयों को लेकर जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करते हुए आवेदन दिया। जनदर्शन में आज लगभग 50 आवेदन प्राप्त हुए। नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार और सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल ने लोगों की समस्याओं को सुना। जनदर्शन में आज बेलगहना तहसील के ग्राम मोहली के मानसिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने शासकीय भूमि पर पूर्व सरपंच रामलाल द्वारा किये गये अवैध कब्जे के विरूद्ध शिकायत की है। ग्रामीणों ने बताया कि श्री रामलाल ने पटवारी से सांठगांठ कर कई एकड़ शासकीय भूमि अपने नाम करवा लिया है। कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीओ कोटा को जांच करने के निर्देश दिए। बिलासपुर निवासी प्रतीक साहू ने कलेक्टर को ज्ञापन देकर कहा कि वे 70 प्रतिशत विकलांग है। आर्थिक रूप से वे कमजोर है और जीवन यापन के लिए उनके पास कोई स्थायी साधन नहीं है। उन्होंने शासन की विकलांग पेंशन योजना का लाभ दिलाने की मांग की है। कलेक्टर ने उनके ज्ञापन को समाज कल्याण विभाग को सौंपते हुए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। आज ग्राम पंचायत दर्रीघाट के ग्रामीणों ने कलेक्टर से मुलाकात कर दर्रीघाट पुराने पुल से नेशनल हाईवे तक रोड़ मरम्मत करने या नवीनीकरण कराए जाने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि दर्रीघाट में पुराने पुल से एनएच तक की रोड़ अत्यंत जर्जर हो चुकी है। बरसात के दिनों में स्कूली बच्चों को भी कठनाईयों का सामना करना पड़ता है। कलेक्टर ने मामले को पीडब्ल्यूडी विभाग के कार्यपालन अभियंता को सौंपते हुए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। सेवानिवृत्त सचिव श्री टाईम लाल कौशिक सहित आधा दर्जन सचिवों ने कलेक्टर से अपने अंशदायी पेंशन की राशि दिलाने की गुहार लगाई। कलेक्टर ने उनका ज्ञापन सीईओ जनपद पंचायत को सौंपते हुए इस पर कार्यवाही के निर्देश दिए। मस्तुरी ब्लॉक के हरवंश लाल जगत ने घर में आग लगने से हुए क्षति के लिए कलेक्टर से मुआवजा राशि प्रदान करने की गुहार लगाई। उन्होंने बताया कि आगजनी की घटना से लगभग 1 से 2 लाख रूपये का सामान जल गया, जिससे उन्हें भारी आर्थिक क्षति पहुंची है। कलेक्टर ने एसडीओ मस्तुरी को इस मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। जनदर्शन में रकबा संशोधन, सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा, प्रधानमंत्री आवास योजना जैसे ज्यादातर आवेदन लोगों ने दिए।

मतदाता गहन पुनरीक्षण में शत प्रतिशत डिजिटाईजेशन 9 बीएलओ सम्मानित...

बिलासपुर। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्य में शत प्रतिशत डिजिटाईजेशन व उत्कृष्ट कार्य करने पर कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कलेक्टर कार्यालय में आज 9 बीएलओ को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। गहन पुनरीक्षण कार्य में उत्कृष्ट कार्य करने पर बिल्हा विधानसभा क्षेत्र के बोहरडीह मतदान केंद्र से रेखा शर्मा, कोटा विधानसभा क्षेत्र के अमने गांव से त्रिवेणी जायसवाल, बिल्हा विधानसभा क्षेत्र की गंगा महिलांगे, मस्तुरी विधानसभा क्षेत्र के पत्थरताल से सरोजनी सिंह, बिलासपुर विधानसभा क्षेत्र के तारबहार से आशीष निर्मलकर, बिल्हा विधानसभा क्षेत्र के गोढ़ी से संध्या गेंदले, तखतपुर विधानसभा क्षेत्र के बघेलकापा से रेणु खाण्डे, मस्तुरी विधानसभा क्षेत्र के लिमतरा से धरम श्रीवास एवं तखतपुर विधानसभा क्षेत्र के बेलपान से दशमत ध्रुव को सम्मानित किया। इन सभी बीएलओ ने मतदाता पुनरीक्षण के अंतर्गत गणना पत्रक वितरण, पत्रक भरवाने, प्राप्त फॉर्म की पूर्ण संग्रहण और उनके ऑनलाईन एंट्री जैसे महत्वपूर्ण चरणों को दक्षता और समयबद्धता के साथ शत प्रतिशत पूरा किया। कलेक्टर ने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक देश में मतदाता सूची का सटीक पुनरीक्षण लोकतांत्रिक प्रक्रिया की मजबूती के लिए आवश्यक है। बीएलओ के मेहनत और समर्पण से मतदाता सूची में सुधार संभव हो रहा है। इन सभी बीएलओ द्वारा किया गया योगदान विशिष्ट और सराहनीय है।

डिजिटल सुविधाओं से धान खरीदी प्रक्रिया हुई आसान

■ ऑनलाईन टोकन व्यवस्था से किसानों को धान बेचने में हो रही सुविधा

बिलासपुर। जिले में धान खरीदी ने रफ्तार पकड़ ली है धान विक्रय होने के बाद त्वरित रूप से किसानों के खाते में भुगतान भी किया जा रहा है जिससे किसान काफी खुश हैं। जिले के तखतपुर विकासखण्ड के धान उपार्जन केंद्र सेंदरी पहुंचे ग्राम अमतरा के किसान धनीराम देवांगन को धान बेचने के बाद त्वरित रूप से 1 लाख 91 हजार रूपए की राशि खाते में आ गई। उन्होंने बताया कि टोकन कटाने से लेकर भुगतान प्राप्त करने में उन्हें किसी तरह की समस्या नहीं हुई। इस त्वरित व्यवस्था से वे काफी खुश है,उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार जताते हुए कहा कि सरकार की किसान हितैषी योजनाओं से किसानों का जीवन अब संवर रहा है। बिल्हा विकासखंड के सेंदरी धान उपार्जन केंद्र पहुंचे ग्राम अमतरा के किसान श्री धनीराम देवांगन ने बताया कि वे 6 एकड़ में खेती करते है और इस वर्ष उन्होंने 140 क्विंटल धान बेचा। धान बेचने की पूरी प्रक्रिया में उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। उन्होंने बताया कि धान बेचने के बाद 5 दिन के भीतर उनके खाते में राशि का हस्तांतरण कर दिया गया है। बोनस राशि का भुगतान भी कुछ समय बाद मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार के द्वारा किसानों के हित में लाई गई अनेक योजनों से किसानों को काफी लाभ मिल रहा है,खेती करना अब लाभदायक बन चुका है। उन्होंने बताया कि उन्हें किसान सम्मान निधि का लाभ भी मिल रहा है। सरकार की यह मदद छोटे किसानों के लिए बड़ा सहारा है।

बैंक में बंधक मकान सौदा कर 40 लाख की ठगी,दो आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। बिलासपुर के सरकंडा थानाक्षेत्र में दो लोगों के द्वारा एक व्यक्ति को बैंक में बंधक मकान को दिखाकर उसका बिक्री ईकरारनामा तैयार कर उससे 40 लाख रूपये ले लेने तथा रजिस्ट्री नही कर धोखाधड़ी करने की शिकायत पर पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने बिना नामांतरण कराये बैंक में बंधक मकान को बिक्री करने का सौदा किया था। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अजीत शुक्ला पिता जे.एल. शुक्ला उम्र 57 वर्ष निवासी सूर्या विहार सरकण्डा का दिनांक 22.11.2025 को रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसका परिचय दिनेश प्रताप सिंह के साथ है जिससे भेंट मुलाकात होते रहता था, परिचय होने के कारण दिनेश प्रताप सिंह ने अप्रैल 2024 में भास्कर त्रिपाठी नामक व्यक्ति से अपने निवास में मिलवाया जिसने बताया कि वह एसईसीएल कोरबा में कार्यरत् है जिसका मकान विवेकानंद नगर मोपका में है जिसे वह बिक्री करना चाहता है, जिसे देखने के बाद मैंने खरीदी करने का ईच्छा जताया तब भास्कर त्रिपाठी ने उक्त मकान को बिक्री करने के लिए मुझसे 50 रूपये के स्टाम्प पेपर में दिनांक 26.04.2024 को इकरारनामा तैयार कराया जिसमें 3 माह के भीतर रजिस्ट्री कराने का उल्लेख था। उक्त इकरारनामा में दिनेश प्रताप सिंह एवं अरूण सिंह ने गवाह के रूप में हस्ताक्षर किए, इकरारनामा होने के बाद भास्कर प्रसाद त्रिपाठी को 36 लाख रूपये ऑनलाईन दिया गया, किन्तु भास्कर त्रिपाठी ने रकम लेने के बाद भी रजिस्ट्री नहीं कराया, समय अवधि समाप्त होने पर भास्कर त्रिपाठी और दिनेश प्रताप सिंह दोनो मिलकर 40 लाख रूपये का लेनदेन का फर्जी इकरारनामा तैयार कर लिया। बाद में पता चला कि भास्कर त्रिपाठी का उक्त मकान बैंक में बंधक है जिसकी जानकारी दिये बिना ही दिनेश प्रताप सिंह एवं भास्कर प्रसाद त्रिपाठी मिलकर बिना नामांतरण कराये बिक्री करने का का इकरारनामा तैयार कर रकम लेकर धोखाधड़ी किये हैं। प्रार्थी के उक् तिरपोर्ट पर अपराध सदर कायम कर विवेचना में लिया गया, घटना के संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय बिलासपुर रजनेश सिंह (भापुसे) को अवगत कराया गया जिनके द्वारा आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर वैधानिक कार्यवाही करने निर्देशित किये जिनके निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) बिलासपुर श्री राजेन्द्र जायसवाल एवं सी.एस.पी (सिविल लाईन/सरकंडा) निमितेश सिंह के मार्गदर्शन एवं दिशा निर्देशन में थाना प्रभारी सरकण्डा निरीक्षक प्रदीप आर्य के नेतृत्व में टीम तैयार कर आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। जिसमें आरोपियों ने अपना जूर्म स्वीकार किया। जिससे आरोपियों को विधिवत् दिनांक 22.11.2025 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है।

सिम्स में हाइडेटिड सिस्ट का पाँचवाँ सफल दूरबीन ऑपरेशन

■ लैप्रोस्कोपी से बनी बड़ी सर्जरी भी सुरक्षित, मरीज हुई जल्द स्वस्थ

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) बिलासपुर ने जटिल सर्जरी के क्षेत्र में एक और बड़ी कामयाबी दर्ज की है। सर्जरी विभाग की टीम ने दूरबीन (लैप्रोस्कोपिक) तकनीक का उपयोग करते हुए लिवर में मौजूद 10 सेंटीमीटर के हाइडेटिड सिस्ट को सुरक्षित रूप से निकाल दिया। यह सिम्स में इस तरह की पाँचवीं सफल लैप्रोस्कोपिक सर्जरी है। मुंगेली की 20 वर्षीय तीजन नेताम पेट में भारीपन, भूख कम लगना और असहजता की शिकायत के साथ सिम्स पहुंची। सोनोग्राफी और सीटी स्कैन में लिवर के दाहिने हिस्से में बड़ा हाइडेटिड सिस्ट पाया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिम्स प्रशासन के मार्गदर्शन में इसे दूरबीन पद्धति से ऑपरेट करने का फैसला लिया गया।

विशेषज्ञ टीम ने बिना जटिलता के पूरा किया ऑपरेशन

सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. ओ.पी. राज के नेतृत्व में डॉ. रघुराज सिंह, डॉ. बी.डी. तिवारी और डॉ. प्रियंका माहेश्वर की टीम ने ऑपरेशन को अंजाम दिया। एनेस्थीसिया विभाग से डॉ. मधुमिता मूर्ति, डॉ. भावना रायजादा, डॉ. मिल्टन, डॉ. मयंक आगरे व पीजी रेजिडेंट्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रेडियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना सिंह ने सटीक रिपोर्टिंग कर सर्जरी में अहम सहयोग दिया। ओटी स्टाफ सिस्टर योगेश्वरी, संतोष पांडे और अश्वनी मिश्रा का काम भी सराहनीय रहा। लैप्रोस्कोपिक तकनीक की वजह सेबहुत कम चीरा लगा,रक्तस्राव लगभग नगण्य रहामरीज जल्द ही सामान्य दिनचर्या में लौट सकती है

क्या होता है हाइडेटिड सिस्ट?

यह एक परजीवी संक्रमण है, जो इकाईनोकोकस ग्रेन्यूलोसस (कुत्ता फीता कृमि) के कारण होता है। यह आमतौर पर लिवर और फेफड़ों को प्रभावित करता है। संक्रमण अक्सर दूषित पानी, संक्रमित भोजन, और कुत्तों-भेड़ों के संपर्क से फैलता है। मुख्य लक्षण - पेट दर्द, भारीपन, भूख कम लगना, जल्दी पेट भरने का एहसास इसके मुख्य लक्षण है। गहरे और बड़े सिस्ट लीवर की कार्यप्रणाली पर असर डालते हैं और फटने पर ऐनाफाइलैक्सिस जैसी जानलेवा स्थिति भी बन सकती है। स्वच्छ पानी, साफ भोजन और राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान के तहत क्रीमनाशक दवाओं का सेवन कर इस रोग से बचाव किया जा सकता है।

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने की धान खरीदी एवं गहन पुनरीक्षण अभियान की प्रगति की समीक्षा

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने टीएल बैठक में आज विशेष रूप से धान खरीदी एवं मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि धान खरीदी कार्य में अब तेजी आ गयी है। बिचौलियों एवं दलाल किस्म के लोग भी सक्रिय होकर योजना का नाजायज फायदा उठाने की फिराक में हैं। उनके मंसूबों पर पानी फेरने के लिए जांच टीम द्वारा लगातार कार्रवाई जारी रखा जाये। कलेक्टर ने बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की प्रगति की भी जानकारी ली। उन्होंने विशेषकर शहरी क्षेत्रों जैसे बिलासपुर एवं बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में कार्य की गति बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक मे नगर निगम आयुक्त अमित कुमार एवं जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल सहित विभागीय जिला अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने धान खरीदी के शुरूआती चरण में जिला स्तरीय नोडल अधिकारियों को खरीदी केन्द्रों का सघन निरीक्षण करने के निर्देश दिए ताकि एक दफा सुव्यवस्थित हो जाये तो आगे अभियान सुचारू रूप से बढ़ सके। स्टेकिंग, कम्प्यूटर में एन्ट्री, बारदाने आदि की व्यवस्था को ठीक से रखा जाये। नोडल अधिकारी जिले के बड़े और जिम्मेदार अधिकारी हैं, सौंपे गये केन्द्र में बाद में किसी प्रकार की गड़बड़ी प्रकट हुई तो उनकी जिम्मेदारी एवं सहभागिता भी मानी जायेगी। उन्होंने कहा कि अधिकारी ध्यान में रखें कि संपूर्ण प्रक्रिया में असल किसानों को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर ने अनुकम्पा नियुक्ति मामलों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि हर महीने तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग के रिक्त पदों की जानकारी दी जाए ताकि जल्द अनुकम्पा नियुक्ति दी जा सके। उन्होंने सभी कार्यालय प्रमुखों को समय पर ऑफिस पहुंच कर काम करने की हिदायत दी। कलेक्टर ने कहा कि बड़े अधिकारी की कार्य संस्कृति और अनुशासन का निचले स्तर के अधिकारी अनुशीलन करते हैं, लिहाजा इसका वे विशेष ध्यान रखें। उन्होंने भू-अर्जन के प्रकरणों का जल्द से जल्द निराकरण के निर्देश दिए ताकि प्रोजेक्टर कास्ट न बढ़े और समय पर परियोजना का लाभ लोगों को मिल सके। कलेक्टर ने बैठक में खनिजों के अवैध परिवहन एवं ओवरलोड वाहनों के विरूद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। बंद हो चुकी शासकीय योजनाओं के बैंक खाते और उनमें जमा रकम को शासकीय खाते में इस माह के अंत तक जमा करने के भी निर्देश दिए।

संपादकीय

आतंकवाद के खिलाफ अमेरिका पाकिस्तान के साथ खड़ा

इस्लामाबाद में हुए बम धमाके में 12 मौतें हुईं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने तुरंत इसके लिए भारत को दोषी बता दिया। और उतनी ही फुर्ती से इस्लामाबाद स्थित अमेरिकी दूतावास ने इस पर अपना बयान जारी किया। सुरक्षा एजेंसियों ने 10 नवंबर को आतंकवाद के एक बड़े मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने का दावा किया और उसके कुछ घंटे बाद ही दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के बाहर कार विस्फोट हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे साजिश का नतीजा बताया है। इस घटना से पूरा भारत हिला हुआ है। मगर अमेरिका ने उस पर प्रतिक्रिया जताने में लगभग 24 घंटे लगा दिए। फिर भारत स्थित अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का बयान आया, जिसमें हताहत लोगों के लिए हमदर्दी जताई गई। 11 नवंबर को पाकिस्तान में इस्लामाबाद में एक जिला कोर्ट के बाहर हुए बम धमाके में 12 मौतें हुईं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने तुरंत इसके लिए भारत को दोषी बता दिया। और उतनी ही फुर्ती से इस्लामाबाद स्थित अमेरिकी दूतावास ने इस पर अपना बयान जारी किया। उसमें इस घटना की निंदा की गई और कहा गया- 'आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष में अमेरिका पाकिस्तान के साथ एकजुट खड़ा है।.. अपने देश में शांति और स्थिरता लाने के पाकिस्तान सरकार के प्रयासों का हम समर्थन करते हैं।' तो अंतर साफ है। इस फर्क को हमें ध्यान में रखना चाहिए, क्योंकि इससे इस क्षेत्र की स्थितियां प्रभावित हो रही हैं। विशेषज्ञों ने अंदेशा जताया है कि अमेरिका और चीन के साथ अपने अनुकूल संबंधों से उत्साहित पाकिस्तान भारत में आतंकवाद फैलाने की कोशिशों में नई ऊर्जा के साथ जुट सकता है। उधर बांग्लादेश की खुफिया एजेंसियों के साथ गहराते रिश्तों के कारण पाकिस्तान के लिए भारत विरोधी साजिश रचना और आसान हो गया है। साउथ एशिया टेररिज्म पोर्टल के मुताबिक भारत में इस वर्ष अब तक आतंकवाद से संबंधित साजिश के आरोप में 82 लोग गिरफ्तार हुए हैं। इसे इस बात का संकेत समझा गया है कि आतंक का नेटवर्क फिर फैल रहा है, जो हाल के वर्षों में कमजोर पड़ा हुआ था। इसके पीछे पाकिस्तान संचालित गुटों के हाथ का संदेह है। इसके बावजूद पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता बढ़ी है, तो उसके पीछे डॉनल्ड ट्रंप के दौर में अमेरिका का रुख एक प्रमुख कारण है। चीन का समर्थन तो हमेशा पाकिस्तान के साथ रहा ही है।

बिहार चुनाव में कितना जीता आयोग?

योगेन्द्र योगी

खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे। बिहार चुनाव में भीषण पराजय के बाद कांग्रेस की यही हालत हो गई है। चुनावी जीत के लिए भ्रष्टाचार और जंगलराज से समझौता करने वाली कांग्रेस हार की खीझ चुनाव आयोग पर निकाल रही है। यह पहला मौका नहीं है कि जब कांग्रेस ने अपनी गिरेबां में झांकने के बजाय चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं पर अपनी हार का ठीकरा फोड़ने का प्रयास किया है। संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की कांग्रेस की इस हरकत के लिए देश के प्रबुद्ध जनों ने फटकारा है। देश के 272 प्रतिष्ठित नागरिकों ने एक पत्र लिखकर राहुल गांधी की आलोचना की है। यह पत्र लिखने वालों में 16 जज, 123 रिटायर नौकरशाह (जिनमें 14 राजदूत शामिल हैं) और 133 रिटायर सशस्त्र बल अधिकारी शामिल हैं। सभी ने एक खुला पत्र लिखकर विपक्ष के नेता और कांग्रेस पार्टी द्वारा भारत के चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने के प्रयासों की निंदा की है। इस पत्र में लिखा है कि हम, नागरिक समाज के वरिष्ठ नागरिक इस बात पर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं कि भारत के लोकतंत्र पर बल प्रयोग से नहीं, बल्कि इसकी आधारभूत संस्थाओं के विरुद्ध जहरीली बयानबाजी की बढ़ती लहर से हमला हो रहा है। कुछ राजनीतिक नेता, वास्तविक नीतिगत विकल्प प्रस्तुत करने के बजाय, अपनी नाटकीय राजनीतिक रणनीति के तहत भडक़ाऊ, लेकिन निराधार आरोपों का सहारा ले रहे हैं। पत्र में आगे कहा गया है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता ने बार-बार चुनाव आयोग पर हमला करते हुए कहा है कि उनके पास इस बात के स्पष्ट प्रमाण हैं कि चुनाव आयोग वोट चोरी में शामिल है और उन्होंने दावा किया कि उनके पास 100 प्रतिशत सबूत हैं। अविश्वसनीय रूप से असभ्य बयानबाजी करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें जो मिला है वह एक परमाणु बम है और जब यह फटेगा, तो चुनाव आयोग के पास छिपने की कोई जगह नहीं होगी।

राहुल गांधी ने यह भी धमकी दी है कि चुनाव आयोग में ऊपर से नीचे तक जो भी इस काम में शामिल हैं, वह उन्हें नहीं बख्शेंगे। उनके अनुसार चुनाव आयोग देशद्रोह कर रहा है। इसमें कहा गया है कि उन्होंने (राहुल गांधी) सार्वजनिक रूप से धमकी दी है कि अगर मुख्य चुनाव आयुक्त/चुनाव आयुक्त रिटायर हुए, तो वह उन्हें परेशान करेंगे। फिर भी, इतने तीखे आरोपों के बावजूद उन्होंने निराधार आरोप लगाने और लोक सेवकों को उनके कर्तव्य पालन के दौरान धमकाने की अपनी जवाबदेही से बचने के लिए निर्धारित शपथ पत्र के साथ कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की है। कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दलों के कई वरिष्ठ नेता और वामपंथी एसआईआर के खिलाफ इसी तरह की तीखी बयानबाजी में शामिल हो गए हैं, यहां तक कि यह भी घोषित कर दिया है कि आयोग भाजपा की बी टीम की तरह काम करके पूरी तरह से बेशर्मी पर उतर आया है। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने विभिन्न राजनीतिक दलों को आमंत्रित करके उनके साथ बैठक करने की कई बार कवायद की है, ताकि उनकी समस्याओं और संदेहों का निदान कर सके। आयोग ने कांग्रेस के नेता राहुल गांधी को भी आमंत्रित किया लेकिन वे आयोग के दफ्तर नहीं गए। चुनाव आयोग ने जनता दल (सेक्युलर) के प्रतिनिधियों से मिलकर उनकी बातें सुनीं और सुझाव लिए। आयोग ने अब तक पांच राष्ट्रीय पार्टियों और 16 राज्य पार्टियों के साथ बैठकें की हैं। कांग्रेस एकमात्र राष्ट्रीय पार्टी है जिसने अभी तक चुनाव आयोग के साथ बैठक नहीं की है। राहुल गांधी ने पहले कर्नाटक में वोटरों के पंजीकरण में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया था और बिहार में वोट चोरी का दावा करते हुए वोटर अधिकार यात्रा निकाली। आयोग ने पारदर्शिता बढ़ाने के लिए कई सुधार किए हैं, जैसे ईवीएम माइक्रो-कंट्रोलर की जांच और डब्ल्यूपीएटी पर्ची की गिनती अनिवार्य करना। आयोग ने 334 निष्क्रिय पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को हटा दिया है और 476 अन्य के खिलाफ कार्रवाई शुरू की। आयोग ने टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए 3 लाख डुप्लिकेट वोटर कार्ड नंबर भी रद्द किए हैं। आयोग ने अब तक पांच राष्ट्रीय पार्टियों और 16 राज्य पार्टियों के साथ मीटिंग की है।

इन मीटिंग में आयोग सबसे सुझाव लेता है कि चुनाव को और कैसे अच्छा बनाया जा सकता है। लेकिन कांग्रेस पार्टी ने अभी तक आयोग के साथ कोई मीटिंग नहीं की है। चुनाव आयोग ने कांग्रेस को 15 मई को मीटिंग के लिए बुलाया था, लेकिन कांग्रेस ने उस दिन मीटिंग करने से मना कर दिया। कांग्रेस ने अभी तक आयोग को कोई नई तारीख नहीं बताई है कि वे कब मीटिंग कर सकते हैं। राहुल गांधी ने एक अखबार में लिखे गए लेख में कहा था कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में वोटर लिस्ट में गलत नाम जोड़े गए और सवाल उठाया था कि शाम 5 बजे के बाद वोटिंग अचानक बढ़ गई। इसके बाद चुनाव आयोग ने 12 जून को राहुल गांधी को चिट्ठी लिखकर कहा कि वे आएं और अपनी चिंताओं के बारे में सीधे बात करें।

पूर्व सीजेआई बी.आर.गवई द्वारा एससी-एसटी कोटा से क्रीमी लेयर को बाहर रखने समेत अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर तर्कसम्मत बातें रखने के सियासी मायने

कमलेश पांडे

अल्पसंख्यक 'दलित बौद्ध' सम्प्रदाय से आने वाले निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी. आर. गवई ने जाते-जाते एक नया वैचारिक-वैधानिक विचार विस्फोट कर गए, जिसके दूरगामी न्यायिक और सियासी असर होंगे। इसलिए इसके कुछेक मायने अहम हैं। बताते चलें कि फॉर्मर चीफ जस्टिस गवई ने न्यायाधीशों की नियुक्ति के ल कॉलेजियम प्रणाली का गत रविवार को पुरजोर बचाव किया, साथ ही अनुसूचित जाति-जनजाति (एससी-एसटी) कोटा से क्रीमी लेयर यानी संपन्न लोगों को बाहर रखने का समर्थन किया। वहीं, शीर्ष अदालत में अपने कार्यकाल कदौरान किसी भी महिला न्यायाधीश की नियुक्ति नहीं करने पर खेद व्यक्त किया।

दरअसल, अपने आधिकारिक आवास पर राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय मीडिया संस्थानों के जागरूक पत्रकारों के साथ अनौपचारिक बातचीत में 52वें प्रधान न्यायाधीश गवई ने कहा कि वह संस्था को ''पूर्ण संतुष्टि और संतोष की भावना के साथ'' छोड़ रहे हैं और सेवानिवृत्ति के बाद कोई भी कार्यभार स्वीकार नहीं करने के अपने संकल्प पर कायम रहेंगे। उल्लेखनीय है कि वह पहले बौद्ध सीजेआई होने के अलावा के. जी. बालकृष्णन के बाद भारतीय न्यायपालिका का नेतृत्व करने वाले दूसरे दलित हैं। इसलिए जाते जाते उन्होंने जो कुछ भी टिप्पणी की है, उससे निकट भविष्य में न्यायपालिका और सियासत दोनों के प्रभावित होने की अटकलें तेज हो चुकी हैं। जब निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश ने यह कहा कि, ''मैंने पदभार ग्रहण करते समय ही स्पष्ट कर दिया था कि मैं सेवानिवृत्ति के बाद कोई भी आधिकारिक कार्यभार स्वीकार नहीं करूंगा। अगले 9 से 10 दिन 'कूलिंग ऑफ' अवधि है। उसके बाद एक नयी पारी शुरू करूँगा।''

सीजेआई गवई ने एससी-एसटी आरक्षण में भी क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू करने के वकालत की भी बात कही सीजेआई गवई ने एससी-एसटी आरक्षण में भी क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू करने के वकालत की। उन्होंने ओबीसी आरक्षण में क्रीमी लेयर के सिद्धांत के लागू होने और एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमीलेयर के लागू नहीं हो पाने की सियासी वजहों और व्यक्तिगत न्यायिक दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हुए कहा कि वह खुद एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर की अवधारणा को लागू करने के पक्षधर हैं। इससे जरूरतमंदों को फायदा पहुंचेगा।

मसलन, अपने कार्यकाल के आखिरी दिन भी चीफ जस्टिस बीआर गवई ने आरक्षण से जुड़े उस महत्वपूर्ण मामले को उठाया, जिस पर वह बोलते रहे हैं। उन्होंने अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) में भी क्रीमीलेयर लागू करने की वकालत की। देखा जाए तो चीफ जस्टिस गवई ने इस मुद्दे से जुड़े जिन पहलुओं को उठाया, वे अपनी जगह पर बिल्कुल सही है और हमारे राजनीतिक नेतृत्व द्वारा उन पर गम्भीरता पूर्वक गौर किया जाना चाहिए।

अनुसूचित जातियों के संपन्न लोगों को आरक्षण के लाभों से वंचित करने के लिए क्रीमी लेयर की अवधारणा लागू करने पर अपने विचारों का पुरज़ोर बचाव करते हुए उन्होंने कहा, ''अगर ये लाभ बार-बार एक ही परिवार को मिलते रहेंगे, तो वर्ग के भीतर वर्ग उभर आएगा। आरक्षण उन लोगों तक पहुंचना चाहिए जिन्हें इसकी सचमुच ज़रूरत है।'' उन्होंने सवाल किया, ''अगर किसी मुख्य सचिव के बेटे या गांव में काम करने वाले भूमिहीन मज़दूर के बच्चे को... किसी आईएएस या आईपीएस अधिकारी के बेटे से प्रतिस्पर्धा करनी पड़े... तो क्या यह समान स्तर पर होगा?'' न्यायमूर्ति गवई ने आगाह किया कि इस तरह के कदम उठाये बिना, आरक्षण का लाभ पीढ़ी दर पीढ़ी कुछ परिवारों द्वारा हथिया लिया जाता है, जिससे ''वर्ग के भीतर वर्ग'' का निर्माण होता है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मुद्दे पर अंतिम निर्णय ''सरकार और संसद को लेना है।'' आरक्षण के जनहितकारी उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए चीफ जस्टिस गवई ने कहा कि रिजर्वेशन उसी को मिलना चाहिए, जो जरूरतमंद है। क्योंकि आरक्षण का उद्देश्य भी सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना और ऐतिहासिक रूप से पिछड़े वर्गों को आगे बढ़ने के लिए समान अवसर प्रदान करना है। लेकिन पिछड़े वर्गों के भीतर भी जो आगे बढ़ चुके हैं, उन्हे हमेशा के लिए यह लाभ नहीं मिलना चाहिए।

कहना न होगा कि आरक्षण में क्रीमी लेयर का सवाल बहुत ही पुराना मुद्दा है यानी क्रीमीलेयर का सवाल बिल्कुल नया नहीं है। बल्कि तमिलनाडु सरकार ने 1969 में पिछड़े वर्गों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का अध्ययन करने के लिए सत्तनाथन कमिशन का गठन किया था, जिसने क्रीमीलेयर का कॉन्सेप्ट पेश किया। वहीं, 1986 में कर्नाटक सरकार से जुड़े एक मुकदमे में शीर्ष अदालत ने कहा था कि राज्य सरकार को आर्थिक आधार पर जांच लागू करनी चाहिए ताकि सही लोगों को आरक्षण का लाभ मिल सके। यही वजह है कि सीजेआई ने क्रीमी लेयर के मसले पर अपनी दो टूक राय रखी, क्योंकि यह ओबीसी आरक्षण में पहले से ही लागू है। इस मामले में इंदिरा साहनी बनाम भारत संघ का मुकदमा नजीर बन चुका है। इसी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से ज्यादा नहीं रखने और ओबीसी में क्रीमीलेयर लागू करने का फैसला दिया था। इसके बाद केंद्र ने एक आयोग गठित किया, ताकि क्रीमीलेयर परिभाषित हो सके।

सवाल है कि जब एक वर्ग में प्रशासनिक क्राइटेरिया तय है, तो इसे दूसरे वर्गों में भी आजमाने में दिक्कत नहीं आनी चाहिए। ताकि सभी तक फायदा पहुंचे। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल अगस्त 2024 में ही एससी-एसटी कैटिगरी के भीतर सब-कैटिगरी को मंजूरी दी थी। इसका मकसद यही था कि वर्ग के भीतर मौजूद हर जाति तक आरक्षण का फायदा पहुंचे और कोई खास तबका ही लाभान्वित न होता रहे। सच कहा जाए तो क्रीमीलेयर भी इसी मकसद के लिए जरूरी है। 50 साल पहले जस्टिस कृष्ण अय्यर ने आरक्षण की इसी खामी की ओर ध्यान दिलाया था कि चूंकि समाज का ऊपरी तबका सारे लाभ ले जाता है। इसलिए सभी के लिए मौका सुनिश्चित करने की संसदीय पहल अविलंब शुरू की जानी चाहिए। इस अहम मुद्दे पर दलगत भावना से ऊपर उठकर कार्य करना चाहिए।

चूंकि पूरे देश में इस समय आरक्षण की सीमा को लेकर चर्चा है। यह एक बड़ी मांग है कि 50 प्रतिशत लिमिट नहीं होनी चाहिए। लेकिन, अगर जरूरतमंदों को फायदा नहीं मिल रहा, तो कोई भी लिमिट आरक्षण के उद्देश्य को पूरा नही कर सकती है। इसलिए विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका में जो लोग आरक्षण का लाभ लेकर आगे बढ़ चुके है, उन्हें दूसरों का रास्ता रोकने के बजाय, आगे से हटकर पीछे वालों को रास्ता देना चाहिए। आखिर सांसद, विधायक, सरकारी अधिकारी-कर्मचारी, न्यायधीशों के पुत्र-पुत्रियां या उनके आश्रित जब पुन: आरक्षण का लाभ लेते हैं तो यह आरक्षण के सिद्धांत का दुरुपयोग है। विगत लगभग 8 दशकों से जारी इस पक्षपात पर खामोश विधायिका को अब कठघरे में खड़ा करने का वक्त आ गया है। इस पर कुतर्क गढ़ रहे बुद्धिजीवियों की नकेल भी कसनी चाहिए। इसी में भारतीय समाज का हित निहित है। तभी तो अपने कार्यकाल के अंतिम दिन न्यायमूर्ति गवई ने लगभग सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात की, जिनमें जूता फेंके जाने की घटना, लंबित मामले, राष्ट्रपति के राय मांगे जाने पर उनके फैसले की आलोचना, अनुसूचित जातियों में क्रीमी लेयर को आरक्षण के लाभ से बाहर रखने पर उनके विवादास्पद विचार तथा उच्च न्यायपालिका में महिलाओं का कम प्रतिनिधित्व शामिल थे।

सीजेआई गवई ने कॉलेजियम प्रणाली का पुरजोर बचाव किया- वहीं, कॉलेजियम प्रणाली का पुरजोर बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि यह ''न्यायपालिका की स्वतंत्रता बनाए रखने'' में मदद करती है। यह स्वीकार करते हुए कि कोई भी व्यवस्था पूर्णत: परिपूर्ण नहीं होती, उन्होंने कहा कि यह न्यायाधीशों के ''चयन के लिए बेहतर है'' क्योंकि वकील ''प्रधानमंत्री या कानून मंत्री के सामने आकर बहस नहीं करते।'' उन्होंने कहा, ''इस बात की आलोचना होती है कि न्यायाधीश स्वयं नियुक्ति करते हैं। लेकिन इससे स्वतंत्रता सुनिश्चित होती है। हम खुफिया ब्यूरो की जानकारी और सरकार के विचारों पर भी राय जाहिर करते हैं, लेकिन अंतिम निर्णय कॉलेजियम का होता है।''

वहीं, विधेयकों पर राज्यपालों के निर्णयों से जुड़ी समय-सीमा के मुद्दे पर न्यायमूर्ति गवई ने कहा, ''संविधान न्यायालय को ऐसी समय-सीमा की व्याख्या करने की अनुमति नहीं देता जहां कोई समय-सीमा मौजूद ही न हो। लेकिन हमने कहा है कि राज्यपाल अनिश्चित काल तक विधेयक को रोक कर नहीं रख सकते। अत्यधिक विलंब होने पर न्यायिक समीक्षा का विकल्प उपलब्ध है।'' उन्होंने ''शक्तियों के पृथक्करण'' का हवाला दिया और कहा कि जबकि राज्यपाल ''अंतहीन समय तक विधेयक को रोक कर नहीं रख सकते'' और सीमित न्यायिक समीक्षा उपलब्ध है, न्यायपालिका संविधान में कुछ ऐसी व्याख्या नहीं कर सकती जो संविधान में नहीं है।

उल्लेखनीय है कि राजनीतिक कार्यकर्ता रामकृष्ण एस. गवई के पुत्र, न्यायमूर्ति गवई ने सामाजिक कार्य शुरू करने के बारे में कहा कि यह ''उनके खून में'' है और वह अपने गृह जिले अमरावती में आदिवासी कल्याण के लिए काम करते हुए समय बिताना चाहते हैं। वहीं, लंबित मामलों को एक ''बड़ी समस्या'' बताते हुए, उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में शीर्ष अदालत ने मामलों को श्रेणीबद्ध किये जाने और वर्गीकरण के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग शुरू किया और इससे निपटना ''सर्वोच्च प्राथमिकता'' होनी चाहिए।

निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश ने अपने कार्यकाल के दौरान शीर्ष न्यायालय में महिला न्यायाधीश की नियुक्ति न कर पाने पर खेद व्यक्त किया, लेकिन स्पष्ट किया कि ऐसा प्रतिबद्धता की कमी के कारण नहीं हुआ। उन्होंने कहा, ''कॉलेजियम के फैसलों में कम से कम चार न्यायाधीशों की सहमति जरूरी है। आम सहमति जरूरी है। ऐसा कोई नाम नहीं आया जिसे कॉलेजियम सर्वसम्मति से मंजूरी दे सके।''

फिर न्यायमूर्ति विपुल मनुभाई पंचोली को उच्चतम न्यायालय में पदोन्नत करने की कॉलेजियम की सिफारिश पर न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना की लिखित असहमति के बारे में सवाल पूछा गया। उन्होंने कहा, ''ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। अगर असहमति में कोई दम होता, तो उस पर चार अन्य न्यायाधीशों को भी सहमत होना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''आप अपने समक्ष मौजूद कागजों के आधार पर फैसला करें। सरकार जीत सकती है या हार सकती है। आज़ादी इस बात से नहीं मापी जाती कि आप कितनी बार केंद्र के खिलाफ फैसला सुनाते हैं।'' वहीं, न्यायमूर्ति गवई ने उस अभूतपूर्व और चौंकाने वाली घटना का भी ज़िक्र किया, जिसमें एक बुज़ुर्ग वकील ने उनके न्यायालय कक्ष में उनकी ओर जूता फेंका था। भगवान विष्णु के बारे में उनकी कथित टिप्पणी को लेकर वकील ने ऐसा किया था। यह पूछे जाने पर कि उन्होंने वकील को ''माफ़'' क्यों किया, उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यह वह फैसला था जो मैंने सहज रूप से लिया था, शायद बचपन में विकसित हुई सोच के कारण। मैंने सोचा कि सही यही होगा कि उसे अनदेखा कर दिया जाए।'' अदालती कार्यवाही में सोशल मीडिया की भूमिका पर, उन्होंने 'लाइव-स्ट्रीम' की गई सामग्री की गलत रिपोर्टिंग और दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त की। न्यायमूर्ति गवई ने कहा, ''... शायद अगले प्रधान न्यायाधीश इसकी जांच कर सकते हैं।'' उन्होंने जूता फेंके जाने की घटना के 'एआई-जनरेटेड' मीम और वीडियो का हवाला देते हुए यह कहा। मृत्युदंड की समाप्ति पर उन्होंने कहा कि यह सजा दुर्लभ में दुर्लभतम मामलों में दी जाती है और इसके अलावा, एक न्यायाधीश के रूप में उन्होंने न्यायपालिका में अपने दो दशक से अधिक के करियर के दौरान कभी भी मृत्युदंड नहीं दिया। उन्होंने यह भी कहा कि अगर न्यायाधीशों के रिश्तेदार योग्य हैं तो उन्हें वंचित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि न्यायाधीश पद के लिए सिफारिश करते समय उनकी कड़ी जांच की जाती है। न्यायमूर्ति गवई, जिन्होंने शीर्ष न्यायालय के कर्मचारियों की नियुक्तियों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), एससी और (अनुसूचित जनजाति) एसटी के लिए कोटा लागू किया था, ने इस दावे का खंडन किया कि शीर्ष न्यायालय में महिला कर्मचारियों की संख्या कम है।

साफ हवा की मांग करते लोग सड़कों पर उतरे

अजीत द्विवेदी

दिल्ली की हवा में दम घुट रहा है। यह बात सिर्फ वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई के आंकड़ों से नहीं समझी जा सकती है। जो लोग इस हवा में सांस ले रहे हैं उनको महसूस हो रहा है कि वे अपने फेफड़े में जहर भर रहे हैं। फिर भी अगर आंकड़ों के लिहाज से ही देखें तो पिछले करीब एक महीने से दिल्ली में एक्यूआई का आंकड़ा बढ़ा हुआ है। दिवाली से कई दिन पहले ही इस साल हवा प्रदूषित हो गई। ऊपर से दिल्ली सरकार की कृपा से इस बार दिवाली में 'ग्रीन पटाखे' भी फूटे। सरकार ने तरह तरह के उपाय करके आंकड़े छिपाने या दबावे के प्रयास किए फिर भी एक्यूआई तीन सौ से ऊपर रहा। यानी दिल्ली की हवा 'बेहद खराब' से लेकर 'गंभीर' श्रेणी में रही। इस पूरी अवधि में सरकार का सारा जोर हवा की गुणवत्ता ठीक करने के उपायों की बजाय यह बताने पर रहा कि इस साल पहले से कम प्रदूषण है और हालात धीरे धीरे सुधर रहे हैं। हालांकि यह सुधार सिर्फ कागजों पर था।

असल में दिल्ली की सरकार हो या पड़ोसी राज्यों की सरकारें या केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट सब इसे बुनियादी रूप से पर्यावरण की समस्या मान कर इसको सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं। पर्यावरण की समस्या होने के साथ साथ यह लोक स्वास्थ्य से जुड़ी एक बड़ी समस्या है। यह भी कह सकते हैं कि यह हेल्थ इमरजेंसी जैसे हालात हैं, जिससे निपटने के लिए तत्काल कुछ क्रांतिकारी उपायों की जरुरत है। सरकारों और अदालतों को समझना चाहिए कि यह अनायास नहीं है कि लोग साफ हवा की मांग करते हुए सड़कों पर उतरे हैं। यह किसी सरकार का विरोध नहीं है। यह कोई राजनीतिक प्रतिरोध भी नहीं है। यह जीवन के बुनियादी अधिकार को हासिल करने का आंदोलन है। लोग अपने बच्चों के लिए और अपने घरों के बुजुर्गों की सांस सुरक्षित करने के लिए आंदोलन करने पर मजबूर हुए हैं। इस बात ने उनको नाराज किया है कि वायु प्रदूषण के कारण उनकी आंखों में जलन हो रही है, गले में स्थायी खराश है और सीने में जकड़न बढ़ रही है और दूसरी ओर सरकार कह रही है कि हालात पहले से ठीक हैं और धीरे धीरे सुधार हो रहा है। पहले से ठीक होने और धीरे धीरे सुधार के दावे को लेकर पहला और बड़ा सवाल तो यह है कि दिल्ली में इतना प्रदूषण कैसे हुआ? यह सवाल इसलिए है कि हर बार पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान के किसानों पर दिल्ली के प्रदूषण का दोष डाल दिया जाता है। हर बार कहा जाता है कि किसान पराली जला रहे हैं इसलिए दिल्ली की हवा दूषित हो रही है। लेकिन इस बार तो पंजाब और हरियाणा में किसानों के पास पराली बची ही नहीं थी जलाने के लिए! पंजाब में तो ऐसी बाढ़ आई कि राज्य के सभी 23 जिले उसमें डूबे। किसानों की लगभग सारी फसल बरबाद हो गई। ऊपर से सरकार की ओर से पराली को लेकर इतनी सख्ती की जा रही है, जिसकी मिसाल नहीं है। किसानों की एमएसपी बंद करने और भारी जुर्माना लगाने के नियम बने हैं, जिससे डर कर किसान पराली नहीं जला रहे हैं या चोरी छिपे कहीं थोड़ी बहुत पराली जलाई गई। इसके बावजूद दिल्ली की हवा पहले की ही तरह प्रदूषित रही। जाहिर है दिल्ली में हवा के प्रदूषित होने के दूसरे भी कारण हैं और वो कारण ज्यादा प्रभावी हैं। ध्यान रहे किसानों को दोष देना सबसे आसान काम है, जो अब तक किया जा रहा है। परंतु बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनियों को या कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को या दूसरे बड़ी फैक्टरियों को दोष देने से सब बचते रहे हैं। एक दूसरी समस्या यह है कि सरकारें इसे मौसमी समस्या मान कर इससे निपटने के उपाय करती हैं। माना जाता है कि प्रदूषण की समस्या नवंबर से जनवरी तक यानी तीन महीने रहेगी और इन तीन महीनों में कुछ न कुछ उपाय करते हुए दिखना है और फिर सर्दियां खत्म होते ही प्रदूषण कम हो जाएगा तो इसे भूल जाएंगे। यह भी माना जाता है कि कभी भी तेज हवा चलने लगेगी या बारिश हो जाएगी तो हवा में मौजूद हानिकारक पार्टिकुलेट मैटर कम हो जाएंगे और हवा साफ हो जाएगी। इसी सोच में कृत्रिम बारिश के तमाशे का भी स्वांग कई दिनों तक चलता रहा था। कई दिनों क्या इस तमाशे की चर्चा कई महीने तक चली। अंत में हुआ कुछ नहीं। जाहिर है बुनियादी समस्या एटीट्यूड और एप्रोच की है। वायु प्रदूषण को पर्यावरण की तात्कालिक समस्या मानने के एटीट्यूड और इससे निपटने के तात्कालिक उपायों की एप्रोच के कारण कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पा रहा है।

दुनिया के दूसरे देशों ने ऐसी समस्या का समाधान निकाला है। बीजिंग तो एक दशक पहले इससे गंभीर वायु प्रदूषण की समस्या से जूझ रहा था। लेकिन लोगों के लगातार दबाव के बाद सरकार एक्शन में आई और उसने सफाई के उपाय किए। आज बीजिंग के नागरिक साफ हवा में सांस ले रहे हैं। अगर चीन की मिसाल उपयुक्त न लगे तो उत्तरी मैसिडोनिया की मिसाल ली जा सकती है। वहां तो पिछले साल ही बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर बड़ी संख्या में लोगों ने सड़क पर उतर कर प्रदर्शन किया, जिसके बाद सरकार को हवा की सफाई की ठोस योजना लागू करनी पड़ी। भारत में भी पहली बार लोग साफ हवा के लिए सड़क पर उतरे हैं। इंडिया गेट पर हुए प्रदर्शन को गंभीरता से लेने की जरुरत है। यह किसी कर्मचारी संघ या किसान समूह या मजदूर संघ या किसी भी हित समूह का प्रदर्शन नहीं था, जिसे पीछे से कोई संगठन निर्देशित कर रहा था। यह आम नागरिकों का प्रदर्शन था, जो साफ हवा में सांस लेने के अधिकार के लिए सड़क पर उतरे थे। प्रदर्शन में लोगों का गुस्सा और उनकी निराशा दोनों साफ दिख रहे थे।

केंद्र और दिल्ली सरकार दोनों को आम नागरिकों की इस भावना को समझना चाहिए। अगर सरकारें किसानों को, नागरिकों को या बारिश और हवा को दोष देती रहेंगी तो धीरे धीरे लोगों का गुस्सा बढ़ेगा। समय काटने और अपने आप हवा की गुणवत्ता में सुधार हो जाने पर संतोष कर लेने की एप्रोच भी लोगों को नाराज करेगी। क्योंकि यह सिर्फ तीन महीने की समस्या नहीं है, बल्कि पूरे साल की समस्या है और सिर्फ पर्यावरण की नहीं, बल्कि लोक स्वास्थ्य की भी समस्या है। इसलिए वन व पर्यावरण मंत्रालय से लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय और शहरी विकास से लेकर लोक निर्माण से जुडे तमाम विभागों को एक साथ आकर एक ठोस योजना बनानी होगी, जिससे इस समस्या का स्थायी समाधान निकले।

स्वनिधि संकल्प अभियान शिविर दल्ली पालिका द्वारा आयोजित

दल्लीराजहरा। स्ट्रीट वेंडर शहरी अर्थव्यवस्था के एक बहुत ही महत्वपूर्ण घटक का प्रतिनिधित्व करते हैं और सस्ती दरों पर वस्तुओं और सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, पीएम स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर पीएम स्वनिधि योजना अंतर्गत नगर पालिका द्वारा शहरी पथ विक्रेताओं को प्रथम 15,000 द्वितीय 25,000 तृतीय 50,000 रुपए तक का लोन दिए जाने का प्रावधान है। इस संबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेंद्र वारडेकर ने शिविर मे जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि कोविड-19 और उसके परिणाम स्वरुप लॉकडाउन में शहरी पथ विकर्ताओं की आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव डाला था। केंद्र सरकार ने इस शहरी पर विक्रेताओं की आजीविका को ध्यान में रखते हुए 1 जून 2020 को पीएम स्वनिधि योजना शुरू की जिसका उद्देश्य सड़क के किनारे व्यवसाय करने वाले विक्रेताओं को अपने व्यवसाय को फिर से शुरू करने के लिए के कार्यशील पूंजी ऋण प्रदान करना था, जो महामारी के कारण प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुए थे। शहरी पथ विक्रेता सड़क के किनारे पर रहते हुए सस्ते दामों पर रोजमर्रा का सामान उपलब्ध कराते हैं और इसी से अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं द्य इन शहरी पथ विक्रेताओं का व्यवसाय काफी प्रभावित हुआ है जिन्हें पुन पटरी पर लाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री शहरी पथ विक्रेता आत्मनिर्भर पीएम स्व निधि योजना की शुरुआत की गई है जिससे शहरी पथ विक्रेता जिन्हें रोलिंग के लिए अधिकतम 50000 तक का राष्ट्रीय कृत बैंकों द्वारा लोन उपलब्ध करने 14 नवंबर से 2 दिसंबर 2025 तक विभिन्न वार्डों में एवं बैंकों में शिविर आयोजित किया जा रहा है, जिससेअधिक से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स,उनके परिवार को पीएम स्वनिधि का अधिकतम लाभ मिल सके एवं स्वनिधि संकल्प अभियान सही मायने में प्रभावी एवं सफल बना सकें।

इसका फायदा योजना से जुड़ कर शहरी पथ विक्रेता उठा सकते हैं, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना अंतर्गत जो पथ विक्रेता लोन हेतु आवेदन किए थे जिनके प्रकरण बैंकों में लंबित है ऐसे लोन प्रकरणों के लिए स्वनिधि संकल्प अभियान के अंतर्गत विशेष शिविर का आयोजन नगर पालिका द्वारा भारतीय स्टेट बैंक, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक, पंजाब नेशनल बैंक शाखाओ में किया गया द्य सिटी मिशन मैनेजर केतन नायक ने शिविर में जानकारी दी कि विभिन्न वार्डों में मुनादी करा कर इस अभियान में लाभान्वित पथ विक्रेताओं का स्व निधि से समृद्धि योजना में प्रोफाइलिंग किए जाने एवं डिजिटल लेनदेन को प्रोत्साहन क्षमता संवर्धन जैसे नवाचार के माध्यम से सामाजिक आर्थिक उत्थान हेतु प्रोफ इलिंग का कार्य किया जा रहा है द्य इस अवसर पर राष्ट्रीय शहरी आजीविका के सिटी मिशन मैनेजर केतन नायक, सामुदायिक संगठक उमेश्वरी नेताम, लक्ष्मी सिन्हा अभिजीत भगत उपस्थित रहे।

96 पाव शराब के साथ शराब परिवहन कर्ता आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा। 96 पाव शराब के साथ शराब परिवहन कर्ता आरोपी को गिरफ्तार किया गया है यह साइबर सेल बेमेतरा व थाना बेरला की संयुक्त कार्यवाही है। 23.11.2025 को साइबर सेल व थाना बेरला पुलिस को जरिये मुखबीर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति बिना नंबर के मो0सा0 हीरो स्प्लेंडर प्लस मे अवैध रूप से शराब परिवहन करते अहिवारा से बेरला ग्राम चंडी भाठा मुडपार की ओर ले जा रहे है कि सूचना मिलने पर रेड कार्यवाही हेतु मौके पर उपस्थित गवाहन को चंडी भाठा चौक मे तलब कर मुखबीर सूचना से अवगत कराकर धारा 179 बी.एन.एस.एस. का नोटिस देकर कार्यवाही मे साथ रहने हिदायत देकर साथ ग्राम चंडी भाठा चौक मे मिले मुखबीर सूचना के संबंध मे बताकर पुलिस स्टाफव गवाह के मुखबीर के बताये सूचना के आधार पर अहिवारा तरफसे आ रही बिना नंबर के स्प्लेंडर प्लस मो0सा0 जो एक सफेद बोरी के साथ ग्राम मुडपार तालाब बरगद पेड के पास मिला जिसे घेरा बंदी कर रेड कार्यवाही किया जिनसे नाम पता पुछने पर मोटर सायकल चलाने वाले व्यक्ति अपना नाम राजेश खुटेल पिता नारायन खुटेल उम्र 21 साल साकिन वार्ड नं 09 मुरमुंदा थाना नंदनी जिला दुर्ग एवं पीछे सफेद रंग के बोरी लेकर बैठा एक विधि से संघर्षरत बालक जिसके पास से एक सफेद रंग के बोरी मिला, जिसका उपर भाग बंधा हुआ था। राजेश खुटेल एवं विधि से संघर्षरत बालक के पास रखे सफेद रंग के बोरी का तलाशी लिया,तलाशी के दौरान एक सफेद रंग के बोरी मे बंधे रस्सी को राजेश खुटेल से खोलवाया गया .एक सफेद रंग के बोरी मे 96 पौवा देषी मसाला शोले शराब भरा हुआ मिला जिसके प्रत्येक पौवा मे 180-180 एम.एल. शराब भरा हुआ कुल 17280 एम.एल शराब कीमती करीबन 9,600 रूपये बरामद हुआ जिसके बिक्री करने एवं परिवहन करने के संबंध मे कोई वैध दस्तावेज या कागजात मांगने पर कोई दस्तावेज या कागजात नही होना बताकर लिखित मे देने पर राजेश खुटेल के कब्जे से .एक सफेद रंग के बोरी मे 96 पौवा देशी मसाला शोले शराब भरा हुआ मिला जिसके प्रत्येक पौवा मे 180-180 एम.एल. शराब भरा हुआ कुल 17280 एम.एल शराब कीमती करीबन 9,600 रूपये जिसका बैच नंबर 011 है को मुताबिक जप्ती पत्रक गवाहो के समक्ष जप्त कर मौके पर शीलबंद कर पंचनामा तैयार किया गया।

मोटरसाइकिल चोरी के आरोपी को गिरफ्तार करने में मिली सफलता

बेमेतरा। मोटरसाइकिल चोरी के आरोपी को गिरफ्तार करने में पुलिस को सफलता मिली पूछताछ में आरोपी ने बचेड़ी मंदिर का चोरी का भी स्वीकार किया। इस के साथ ही मंदिर से हुई चोरी के संपत्ति को खरीदने वाला देहुती ज्वेलर्स साजा का संचालक संतु सोनी भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि 23 नवंबर 2025 को सशक्त ऐप के माध्यम से मोटरसाइकिल की चेकिंग के दौरान मोटरसाइकिल हीरो होंडा CBZ क्रमांक सीजी 07 एल आर 2452 को रोककर सशक्त ऐप से वाहन को चेक करने पर उक्त वाहन थाना साजा क्षेत्र से चोरी का होना पाए जाने पर वाहन चालक रामखिलावन साहू पिता स्वर्गीय लोमन साहू उम्र 32 साल साकिन करामाल थाना बेरला जिला बेमेतरा से पूछताछ किया गया तब आरोपी द्वारा उक्त मोटर सायकल को साजा शराब भट्ठी से चोरी करना इसके अलावा अन्य 02 मोटर सायकल पैशन प्रो CG 25 3129 एवं HF डीलक्स मोटरसाइकिल CG 25 E 6265 देवकर क्षेत्र में चोरी करना एवं दोनों वाहनों को कुछ दिन इस्तेमाल बाद पेट्रोल खत्म होने पर लावारिस हालत में छोड़ देना बताया जिन्हें पूर्व में ही बरामद किया जा चुका है। इसके अलावा दिनांक 27.10.2025 के रात्रि को ग्राम बचेड़ी चौकी देवकर के शीतला मंदिर में शीतला माता की मूर्ति से 03 नग सोने का लॉकेट एवं नगदी रुपए को भी चोरी करना स्वीकार किया एवं चोरी में प्राप्त सोने का लॉकेट को साजा के देहूति ज्वेलर्स के पास करीब 18,900 में बेचना बताया जिस पर देहुती ज्वेलर्स के संचालक संतु सोनी पिता भुवन लाल सोनी उम्र 52 साल साकिन साजा से पूछताछ करने पर रामखिलावन साहू द्वारा बेचे 3 लॉकेट को खरीदना बताया जिस पर ज्वेलर्स के संचालक संतु सोनी को चौकी देवकर के अपराध क्रमांक 296/25 धारा 305(घ), 317(2),331(4),3(5)bns के मामले में गिरफ्तार किया गया है। चौकी देवकर के अपराध क्रमांक 251/ 25 धारा 303 (2) बीएनएस ,अपराध मांक 151 /25 धारा 303 (2)bns , थाना साजा के अपराध क्रमांक 308/25धारा 303(2)bns के प्रकरण में चोरी गए वाहनों की चोरी करना स्वीकार करने पर आरोपीगण रामखिलावन साहू एवं दहुती ज्वैलर्स साजा के संचालक संतु सोनी को गिरफ्तार कर न्यायालय साजा में पेश किया गया हैं। बेमेतरा पुलिस सभी सम्माननीय दुकानदारों व नागरिकों से अपील करती है कि बिना बिल के कोई भी वस्तु किसी व्यक्ति से न खरीदे और यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति कोई वस्तु बेचने आता है तो तत्काल अपने संबंधित थाना

छत्तीसगढ़ कांट्रेक्टर एसोसिएशन ने 6 सूत्रीय मांगों के निराकरण हेतु कलेक्टर को सौपा ज्ञापन, एक दिसंबर से अनिश्चितकालीन धरने की दी चेतावनी

बालोद। छत्तीसगढ़ कांट्रेक्टर एसोसिएशन के बालोद जिले के पदाधिकारियों ने आरईएस विभाग में लंबे समय से लंबित समस्याओं, भुगतान की अस्पष्टता, अनियमित निविदा प्रक्रिया सहित कुल 6 सूत्रीय मांगों का निराकरण करने 30 नवंबर तक का अल्टीमेटम देते हुए कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा हैं। निराकरण नही होने की स्थिति पर एक दिसम्बर से आरईएस डिवीजन कार्यालय, बालोद के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना प्रारंभ करने की चेतावनी दी हैं। एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष विनोद बंटी शर्मा ने बताया कि पूर्ण कार्यो का भुगतान सुनिश्चित करने जैसे विभाग के अंतर्गत डीएमएफ पर्यटन, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड, मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना, समग्र शिक्षा (राजीव गांधी मिशन), एसबीएम, पीएमश्री, पीएम पोषण शक्ति, उद्यानिकी एवं अन्य मदों में पूर्ण हो चुके कार्यो का भुगतान तिथि सुनिश्चित कर लिखित में आदेश जारी किया जाए। अब तक इन सभी मदों की राशि हेतु विभाग द्वारा कब, किस एजेंसी के नाम से और किस तारीख को डिमांड पत्र जारी किए गए, इसकी संपूर्ण सूची लिखित में उपलब्ध कराने, बिना बजट आवंटन या बिना राशि उपलब्धता के जोनल निविदा आमंत्रित न करने की मांग की गई हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व एवं वर्तमान में विभाग द्वारा मनमानी तरीके से जारी जोनल निविदाओं की उच्चस्तरीय जांच कराने, अनुपयोगी जोनल टेंडरों पर जांच एवं निरस्तीकरण पूर्व के 20ङ्क20 लाख एवं 30ङ्क35 लाख के जोनल टेंडरों में तक पर्याप्त कार्यादेश जारी नहीं किए जा सके हैं, क्योंकि विभाग के पास कार्यो की कोई योजना ही उपलब्ध नहीं है। इसके बावजूद गुण्डरदेही ब्लॉक में पुनः 1 करोड़ म5= 5 करोड़ रुपये की अतिरिक्त जोनल निविदा आमंत्रित की गई है। यह अत्यंत गंभीर विषय है। इन निविदाओं की भी जांच कराने की मांग की गई हैं। इन दौरान दीपक चोपड़ा, संतोष साहू, खेमसिंह रायपुरिया, चंद्रेश नाहटा, सहित एसोसिएशन के तमाम पदाधिकारी मौजूद थे।

2 लाख तक के छोटे कार्य पंचायत को सौंपे जाए

प्रदेश सचिव दाऊद खान ने बताया कि पूर्व में आमंत्रित निविदाओं को कार्य क्यों नहीं आवंटित किया गया, इसकी जवाबदेही तय की जाए यदि विभाग के पास किसी मद में कार्य उपलब्ध है तो तत्काल पूर्व के जोनल निविदाओं में कार्यादेश दिया जाए। यदि विभाग के पास किसी मद में राशि उपलब्ध है तो उसका भुगतान लंबित बिलों में प्राथमिकता से किया जाए। वर्तमान में आमंत्रित अतिरिक्त जोनल निविदाओं को तत्काल निरस्त किया जाए, ताकि किसी अन्य ठेकेदार को नुकसान न हो। उन्होंने बताया कि जोनल निविदाओं में 10 हजार से 2 लाख तक के छोटे कार्यादेश ठेकेदारों को न देकर, ऐसे कार्य पंचायतों को सौंपे जाएं। छोटे कार्यादेशों में कार्य-लागत से अधिक मैनेजमेंट खर्च होता है, जिससे कार्य प्रभावित होता है। इस संबंध में स्पष्ट दिशानिर्देश जारी किए जाए और विभाग में ठेकेदारों द्वारा जमा सिक्योरिटी डिपॉजिट (एसडी), परफॉर्मेंस गारंटी (पीजी) और रॉयल्टी राशि लंबे समय से अटकी हुई है। जिन ठेकेदारों ने भुगतान हेतु आवेदन किया है, उनकी संपूर्ण राशि तत्काल जारी किये जाने की मांग की गई हैं।

उन्होंने कहा कि अन्यथा की स्थिति उपरोक्त मांगों पर 30 नवम्बर तक संतोषजनक कार्रवाई न होने की स्थिति में, छत्तीसगढ़ कांट्रेक्टर एसोसिएशन, 1 दिसम्बर से आरईएस डिवीजन कार्यालय, बालोद के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना प्रारंभ करने के लिए बाध्य होगा।

भारतीय मजदूर संघ ने चारों श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन का स्वागत किया

दल्लीराजहरा। भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री मुश्ताक अहमद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि भारतीय मजदूर संघ ने चारों श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन का स्वागत किया साथ ही संघ ने प्रधानमंत्री एवं श्रम मंत्री का आभार व्यक्त किया है। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) भारत सरकार के ऐतिहासिक निर्णय का हृदयपूर्वक स्वागत करता है। जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लंबे समय से प्रतीक्षित चार श्रम संहिताओं को लागू? किया गया है। ये संहिताएँ देश के समस्त श्रमिक वर्ग को गरिमा सुरक्षा और उन्नत कल्याण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। 21 नवम्बर को बीएमएस के एक प्रतिनिधिमंडल जिसमें राष्ट्रीय महामंत्री रविन्द्र कुमार हिम्मते, एस मलेशम उपाध्यक्ष,सजी नारायण पूर्व अध्यक्ष, सुरेन्द्रन संगठन मंत्री, गिरीश आर्य मंत्री पवन कुमार,रामनाथ गणेशी ,ने केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुखलाल मंडाविया से भेंट की और श्रम से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर एक विस्तृत मांग पत्र सौंपा, जिसमें श्रम संहिताओं से जुड़े कुछ मुख्य चिंताएँ भी शामिल थीं। उन्होंने आश्वस्त किया कि भारतीय मज़दूर संघ द्वारा उठाये गए सभी वास्तविक चिंताओं का गंभीरता से समाधान किया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर संसद में संशोधन लाने सहित उचित कदम उठाए जाएँगे। हम श्रम मंत्री के सकारात्मक, संवेदनशील और रचनात्मक दृष्टिकोण के लिए उनका विशेष धन्यवाद करते हैं। चारों श्रम संहिताएँ श्रम बाज़ार की नई और उभरती वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए रूपांतरित की गई हैं। निर्धारित रोजगार की सीमाओं से आगे वेतन - कवरेज का विस्तार तथा असंगठित एवं नव-विकसित क्षेत्रों तक सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ाना आधुनिक कार्यबल की आकांक्षाओं के अनुरूप दूरदर्शी सुधारों को दर्शाता है। बीएमएस पूरे देश में श्रम संहिताओं के प्रभावी और सुगम कार्यान्वयन के लिए पूर्ण सहयोग देने के प्रति प्रतिबद्ध है। हम सरकार एवं सभी संबंधित पक्षों के साथ संवाद जारी रखेंगे ताकि श्रमिकों का कल्याण श्रम शासन का केंद्रबिंदु बना रहे। बीएमएस का मानना है कि यह भारत की एक न्यायसंगत, समावेशी और सशक्त श्रमिक व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

बेरला जनपद के सरपंच संघ ने 15वें वित्त की राशि जारी करने की मांग को लेकर विधायक दीपेश साहू को सौंपा ज्ञापन

बेमेतरा। जनपद पंचायत बेरला के अंतर्गत सभी ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने आज सरपंच संघ बेरला के अध्यक्ष रघुवीर पिंटू सिन्हा, सचिव लोकेश साहू कोषाध्यक्ष दिलीप निषाद आज सामूहिक रूप से विधायक बेमेतरा दीपेश साहू को ज्ञापन सौंपकर फरवरी 2025 से लंबित पड़े 15वें वित्त आयोग की राशि तत्काल जारी कराने की मांग की है। सरपंच संघ के अध्यक्ष रघुवीर (पिंटू) सिन्हा, सचिव लोकेश साहू, कोषाध्यक्ष दिलीप निषाद सहित सभी पदाधिकारियों ने बताया कि नवनिर्वाचित सरपंचों द्वारा ग्राम पंचायतों में बिजली, पानी, स्वच्छता, पेयजल, मोटर मरम्मत, स्टेशनरी, दस्तावेज तैयार करने तथा अन्य मूलभूत कार्य लगातार किए जा रहे हैं, किंतु 8 महीने बीत जाने के बावजूद 15वें वित्त की राशि ग्राम पंचायतों को प्राप्त नहीं हुई है।सरपंचों ने बताया कि राशि न आने से सामग्री प्रदाताओं एवं दुकानदारों का भुगतान लंबित है, जिसके कारण पंचायत कार्य प्रभावित हो रहे हैं एवं अक्सर सरपंचों को अपमानजनक परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। सरपंच संघ ने ज्ञापन के माध्यम से चेतावनी दी है कि यदि 15वें वित्त की राशि 15 दिसंबर 2025 तक प्राप्त नहीं होती, तो 01 जनवरी 2026 को सभी ग्राम पंचायत कार्यालयों में ताला लगाकर उसकी चाबी मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत बेरला को सौंप दी जाएगी। तथा पंचायतों के सभी कार्य अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिए जाएंगे। सरपंच संघ ने विधायक से इस विषय पर तत्काल हस्तक्षेप कर समाधान कराने का आग्रह किया। इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने कहा की जनपद पंचायत बेरला के सभी सरपंच साथियों द्वारा प्रस्तुत मांग पत्र मैंने प्राप्त किया है। ग्राम पंचायतों की मूलभूत व्यवस्था–बिजली, पानी, स्वच्छता, पेयजल, मोटर मरम्मत, सामग्री क्रय एवं अन्य विकास कार्यों के लिए 15वें वित्त की राशि अत्यंत आवश्यक है। यह राशि लंबे समय से लंबित है, जिससे पंचायतों की कार्यप्रणाली प्रभावित हो रही है। मैं स्वयं इस विषय को अत्यंत गंभीरता से लेकर जिला प्रशासन तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों से तत्काल चर्चा करूँगा, ताकि शीघ्रातिशीघ्र 15वें वित्त की राशि जारी हो सके और ग्राम पंचायतों का नियमित कार्य सुचारू रूप से चलता रहे। ग्राम पंचायतें हमारे ग्रामीण विकास की सबसे महत्वपूर्ण इकाई हैं। सरपंच साथियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, यह मेरी प्राथमिकता है।

भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में विधायक दीपेश साहू ने सुनी आम जनता की समस्याएँ, समाधान का दिया भरोसा

बेमेतरा। बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने अपने निवास कार्यालय, बेमेतरा में आयोजित भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों–जेवरी, नवागांव, हथमुड़ी, लोलसरा, बहेरघाट, सुरहोली, परपोड़ा , मनियारी एवं बेमेतरा नगर–से आए नागरिकों से सीधे संवाद किया। बड़ी संख्या में पहुँचे ग्रामीणों एवं शहरी नागरिकों ने अपनी समस्याएँ और आवश्यक मांगें विधायक साहू के समक्ष रखीं। इस दौरान लोगों द्वारा स्वच्छ पेयजल, सड़क व नाली निर्माण, विद्युत व्यवस्था, सामुदायिक भवन, प्रधानमंत्री आवास, शौचालय निर्माण, स्वास्थ्य सेवाएँ, स्थानीय सुविधाओं के विस्तार जैसी कई मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। विधायक साहू ने प्रत्येक नागरिक की समस्या को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को उचित निर्देश भी दिए। कार्यक्रम के अंत में विधायक साहू ने सभी नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में हमारी भाजपा सरकार सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना, शौचालय निर्माण, सड़क-नाली, सामुदायिक भवन, पेयजल, शिक्षा-स्वास्थ्य–हर क्षेत्र में जनहित हमारी प्राथमिकता है। गांव, गरीब, किसान, मजदूर, महिला और युवाहर वर्ग के लिए हम समर्पित हैं। उन्होंने आगे कहा विधानसभा क्षेत्र के हर गांव में विकास की नई धारा बहेगी। आपकी हर उचित मांग पर शीघ्र कार्रवाई होगी और विकास का लाभ हर घर तक पहुँचाया जाएगा। जनता की समस्याएँ मेरी प्राथमिकता हैं, और समाधान हर हाल में सुनिश्चित किया जाएगा।

जिले में आमजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराए : कलेक्टर मिश्रा

दल्लीराजहरा। कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने कहा कि जिले में आमजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराएं, मरीजों को स्वास्थ्य केंद्रों में किसी प्रकार की समस्या न हो। कलेक्टर मिश्रा ने कार्यालय के सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। कलेक्टर ने गर्भवती माताओं के प्रथम तिमाही में पंजीयन तथा 4 आवश्यक जॉच, आयरन गोली का वितरण, संस्थागत प्रसव की संस्थावार समीक्षा की तथा इस संबंध में अब तक प्राप्त लक्ष्य की जानकारी ली। उन्होंने पर्याप्त स्टाफ और भवन वाले स्वास्थ्य केंद्रों में अप्रैल 2025 से अक्टुबर तक शून्य प्रसव वाले संस्थाओं के कर्मचारियों को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत छूटे हेतु शत प्रतिशत बच्चों के टीकाकरण, यू-विन पोर्टल पर शत प्रतिशत् एन्ट्री, एनिमिया मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत स्कूल व आंगनबाड़ी के बच्चों दी जाने वाली आयरन गोली की समीक्षा कर प्राप्त लक्ष्य की जानकारी ली। उन्होंने चिरायु कार्यक्रम अन्तर्गत गंभीर जटिल बीमारी वाले बच्चों को प्राथमिकता के आधार पर उच्च संस्थानों में ईलाज कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में प्रसव उपरान्त गंभीर अवस्था वाले नवजात शिशुओं के लिए संचालित एस.एन.सी.यू. व एन.बी.एस.यू. में शतप्रतिशत शिशुओं को भर्ती कर उपचारित करने के निर्देश भी दिए।

समाधान महाविद्यालय में इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित हुआ

बेमेतरा। सर्वतोमुखी समाधान शिक्षा संस्कार समिति द्वारा संचालित समाधान महाविद्यालय में इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदना से किया गया। बीएड द्वितीय वर्ष के छात्रों ने सहायक प्राध्यापकों एवं प्रथम वर्ष के छात्रों का तिलक व पुष्पगुच्छ से स्वागत एवं अभिनंदन किया। महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी उमेश सिंह राजपूत ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इंडक्शन प्रोग्राम की यह परंपरा महाविद्यालय में प्रारंभ से निरंतर संचालित होती आ रही है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को संस्थान की कार्यप्रणाली, नियम-अनुशासन और शैक्षणिक संस्कृति से परिचित कराने का महत्वपूर्ण माध्यम है, जिससे वे कॉलेज से आत्मीय रूप से जुड़ सकें। सभी ने शिक्षक बनने के उद्देश्य से इस महाविद्यालय में प्रवेश लिया है, इसलिए अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूरी गंभीरता, तत्परता और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है। उनका कहना था कि महाविद्यालय के गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन और प्रशिक्षण के माध्यम से ये सभी विद्यार्थी भविष्य में कुशल, उत्तरदायी और आदर्श शिक्षक के रूप में समाज में अपनी पहचान स्थापित करेंगे। बीएड की विभागाध्यक्ष निधि तिवारी ने नए सत्र के विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि बीएड के दो वर्षीय प्रशिक्षण के दौरान शिक्षण कौशल, शिक्षक बनने की भूमिका तथा विद्यालयीन दायित्वों पर विस्तृत अध्ययन कराया जाएगा। संस्थान में प्रदान किया जाने वाला प्रशिक्षण विद्यार्थियों को एक सक्षम, संवेदनशील और गुणवत्तापूर्ण शिक्षक बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है, इसलिए प्रत्येक प्रशिक्षु को इसे गंभीरता से ग्रहण करना आवश्यक है। समाज में अध्यापक की भूमिका अत्यंत सम्मानजनक होती है। माता-पिता अपने बच्चों को विद्यालय इसलिए निश्चिंत होकर भेजते हैं क्योंकि उन्हें विश्वास होता है कि शिक्षक उनके बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को जिम्मेदारी और निष्ठा के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने की प्रेरणा दी। वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. जी. डी. मानिकपुरी ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम केवल स्वागत समारोह नहीं, बल्कि एक परंपरा है। जिस प्रकार परिवार के बड़े-बुजुर्ग अपनी रीति-रिवाज और परंपराओं को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुँचाते हैं, उसी तरह नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं को कॉलेज की परंपरा से परिचित कराने और उसे बनाए रखने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया है। नवप्रवेशित विद्यार्थियों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि उनमें अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की असीम संभावनाएँ निहित हैं।

गुरु तेग बहादुर जी के 350वीं बलिदान की जानकारी जन जन तक पहुंचाया गया

बेमेतरा। शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बेमेतरा में छत्तीसगढ़ सिख समाज, संयुक्त धर्म प्रचार कमेटी तथा गुरु गोविंद सिंह स्टडी सर्किल बेमेतरा के संयुक्त नेतृत्व में एक विशेष आध्यात्मिक व शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हिंद की चादर, सृष्टि की चादर गुरु तेग बहादुर साहिब की 350वीं शहादत वर्षगांठ को समर्पित एक प्रेरणादायी सत्र आयोजित हुआ, जिसमें विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को गुरु साहिब के त्याग, बलिदान, मानवीय मूल्यों और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा हेतु दिए गए अद्वितीय योगदान के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में वक्ता ओं ने गुरु तेग बहादुर साहिब जी की गाथा, उनके आध्यात्मिक विचार, शांति, सहनशीलता और मानवता की रक्षा के लिए दी गई सर्वोच्च शहादत को सहज और प्रभावशाली ढंग से विद्यार्थियों तक पहुँचाया। बच्चों में गुरु साहिब जी के जीवन मूल्यों से प्रेरणा लेकर समाज में भाईचारा, सद्भाव और इंसानियत को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का संचालन छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज, संयुक्त धर्म प्रचार कमेटी, व, गुरु गोविंद सिंह स्टडी सर्कल बेमेतरा के पदाधिकारयों द्वारा किया गया। विद्यालय के 300 से अधिक छात्राओं ने गुरु तेग बहादुर साहिब जी को श्रद्धांजलि अर्पित की, शासकीय विद्यालय के प्रधान पाठक टी. डी. जांगड़े सर ने इस आयोजन के लिए समिति का आभार व्यक्त किया।

सुप्रसिद्ध गायिका अलका चंद्राकर ने दी प्रस्तुति

छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा मंडल द्वारा संगीत संध्या का आयोजन

किरंदुल। लौहनगरी किरंदुल में एनएमडीसी किरंदुल परियोजना की स्थापना के समय से संचालित छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा मंडल किरंदुल के तत्वाधान में छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना के अवसर और एनएमडीसी के स्थापना दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ी फिल्मों की नम्बर वन पार्श्व गायिका तथा सुप्रसिद्धलोक गीत एवं जसगीत की मशहूर गायिका अलका परगनिहा चंद्राकर की फुलवारी लोककला मंच रायपुर की रंगारंग प्रस्तुति का कार्यक्रम एनएमडीसी किरंदुल परियोजना के के आर सी वन में हुआ। सर्वप्रथम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनएमडीसी किरंदुल परियोजना के मुख्य महाप्रबंधक के पी सिंह, महाप्रबंधक खनन एस के कोचर, किरंदुल पालिकाध्यक्ष रूबी सिंह, पूर्व पालिकाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह, श्रमिक संघ इंटक के सचिव ए के सिंह, मुख्य नगर पालिका अध्यक्ष शशि भूषण महापात्र, बैलाडीला प्रेस क्लब के अध्यक्ष डॉ राजेन्द्र सक्सेना ने छत्तीसगढ़ी महतारी के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात अतिथियों के द्वारा संघ के कलाकारों के साथ साथ गायिका अलका चंद्राकर के साथ आई टीम के कलाकारों का एवं छत्तीसगढ़ राज्य की मशहूर गायिका अलका परगनिहा चंद्राकर का भी अतिथियों के करकमलों से सम्मान किया गया।इस दौरान छत्तीसगढ़ सांस्कृतिक क्रीड़ा मंडल के अध्यक्ष लोकनाथ चुरेन्द्र, सचिव पी एल साहू, बी एल तारम, पतिराम बघेल, ओम साहू, टीकम साहू सहित सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति रहीं।मंच संचालन सुविख्यात संचालक बी एल तारम ने किया।

मतदाता सूची के शुद्धिकरण एवं अद्यतन प्रक्रिया को सुचारू बनाने किरन्दुल में कर्मचारी जुटे

किरंदुल। मतदाता सूची गहन पुनिरिक्षण एसआईआर कार्य हेतु दंतेवाड़ा जिले में प्रशासनिक अमला जुटा हुआ हैं।इसी परिप्रेक्ष्य में किरन्दुल वार्ड क्रमांक 11 चीता कॉलोनी में सोमवार बीएलओ एवम टीम घर घर जाकर एसआईआर फॉर्म भरने की आवश्यक जानकारी दी गई।साथ ही एसआईआर फॉर्म क्यों जरूरी है।मतदाता सूची में नाम जोड़ना, पुरानी जानकारी में सुधार/परिवर्तन, पते में बदलाव, मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम विलोपन जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए जाते हैं। इससे मतदाता सूची अधिक सटीक और त्रुटिरहित बनती हैं, जिससे चुनाव प्रक्रिया और भी पारदर्शी होती हैं। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एसआईआर प्रक्रिया देशभर के कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में चल रही हैं। स्थानीय नागरिकों को ऑनलाइन एवं ऑफलाइन SIR फॉर्म भरने की पूरी प्रक्रिया समझाई। उन्होंने बताया कि अंतिम तिथि से पहले आवेदन करना आवश्यक है, ताकि किसी भी नागरिक का नाम मतदाता सूची से छूट ना जाए।यह शिविर क्षेत्र में मतदाता जागरूकता बढ़ाने और शुद्ध मतदाता सूची तैयार करने की दिशा में एक प्रभावी पहल सिद्ध हो रहा है। इस कार्यक्रम में बीएलओ बलराम सिंह ठाकुर, थैलेश ठाकुर, प्रियंका जाल, प्रीति कुंजाम, रामदेई बाघ रीना उपस्थित रहे।

डीएवी किरंदुल में दो दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला संपन्न

किरंदुल। डीएवी कालेज प्रबंधन समिति नई दिल्ली द्वारा निर्देशित विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल को बढ़ाने के उद्देश्य से दो दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला के द्वितीय चरण का सफल आयोजन 23 नवंबर रविवार विद्यालय के प्राचार्य एस. के. श्रीवास्तव के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में हुआ जिसमें छत्तीसगढ़ जोन के विद्यालयों के नर्सरी से लेकर सीनियर सेकेंडरी वर्गों तक के 199 शिक्षक 31 मास्टर ट्रेनर एवं 12 प्राचार्य ने ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।विद्यालय के प्राचार्य एस. के. श्रीवास्तव द्वारा सभी समन्वयकों, प्रशिक्षकों एवं शिक्षकों का हार्दिक स्वागत किया गया उन्होंने कहा विद्यालय के भवन को शिक्षक के निर्माण करते हैं एवं शिक्षक ही विद्यालय की आत्मा होते हैं साथ ही कार्यक्रम के उद्देश्यों और गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। उक्त कार्यशाला में शिक्षण कौशल बढ़ाने हेतु प्रशिक्षण, विद्यार्थियों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास विकसित करने वाली गतिविधियां , नर्सरी और प्राइमरी वर्ग के लिए रोचक शिक्षण विधियां, उच्च कक्षाओं के लिए विषयगत सामग्री तथा नवाचार आधारित गतिविधियां , विद्यार्थियों की उपलब्धियां बढ़ाने हेतु रणनीतियां आदि विभिन्न विषयों में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। दो दिवसीय कार्यक्रम का समापन प्रशिक्षकों और प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान कर किया गया एवं प्राचार्य के द्वारा सभी प्रशिक्षकों और आयोजन समिति के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

बस्तर यूनिटी मार्च, बकावंड के करीतगांव से हुआ प्रारंभ

मालगांव, ईरिकपाल और जगदलपुर में विभिन्न कार्यक्रम

जगदलपुर। खेल एवं युवा कल्याण, विभाग द्वारा जिला बस्तर में एकता मार्च (यूनिटी मार्च)का आयोजन सोमवार को विकासखण्ड बकावंड के ग्राम पंचायत करीतगांव से प्रारंभ किया गया जिसका समापन टाउन क्लब जगदलपुर के प्रागण में किया जाएगा। भारत की एकता और अखंडता के प्रतीक लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर बस्तर में यूनिटी मार्च का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, युवा एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक शामिल हुए। इस अवसर पर सांसद बस्तर महेश कश्यप ने देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि देश की आजादी के बाद गृह मंत्री के रूप में 562 रियासतों को मिलाकर अखण्ड भारत बनाया और समूचे देश को एकता के सूत्र में पिरोया। देश के इस महापुरुष की 150 वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में

यूनिटी मार्च आयोजित करने का पहल किया गया है। जिससे उनके विचार एवं आदर्शों के सन्देश को जन-जन तक पहुंचाएं और सभी लोगों की सहभागिता सुनिश्चित किया जा सके। लौह पुरुष सरदार पटेल की जयंती समारोह के अवसर पर आत्म निर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ने के साथ ही वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प लें। उन्होंने सरदार पटेल के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने रियासतों के एकीकरण के माध्यम से आधुनिक भारत की नींव मजबूत की। यूनिटी मार्च के जरिए उनके विचारों को आगे बढ़ाने और समाज में एकजुटता, सहयोग और भाईचारे का संदेश देने की अपील की गई। कार्यक्रम में विधायक विनायक गोयल, जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप, अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रूप सिंह मंडावी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष बलदेव मंडावी, पूर्व सांसद दिनेश कश्यप, पूर्व विधायक डॉ सुभाऊ कश्यप, बस्तर, तोकापाल, बकवंड जनपद पंचायत के अध्यक्ष व जिला पंचायत के सदस्य उपस्थित रहे । कार्यक्रम को नगर निगम सभापति खेम सिंह देवांगन, जनप्रतिनिधि वेद प्रकाश पांडेय ने भी अपने विचार रखे । मार्च की शुरुआत उत्साहपूर्ण माहौल में हुई, जहां प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सौहार्द और विकास के संकल्प के साथ कदम बढ़ाए। कार्यक्रम का उद्देश्य देश के प्रथम गृह मंत्री सरदार पटेल के राष्ट्रीय एकीकरण के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना है । खेल एवं युवा कल्याण विभाग के प्रभारी एवं अपर कलेक्टर ऋषिकेश तिवारी ने बताया कि एकता मार्च विकासखण्ड बकावंड के ग्राम पंचायत करीतगांव के मिनी स्टेडियम से प्रारंभ होकर मालगांव पहुंचेगा। मालगांव में मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण कार्यक्रम किया जाएगा, इसके उपरांत पदयात्रा ईरिकपाल पहुंचेगा। इसके बाद ईरिकपाल से रवाना होकर जगदलपुर शहर से होते हुए दंतेश्वरी मंदिर के समीप रूद्र प्रताद देव टाउन क्लब प्रागण में सभा के रूप में समाप्त होगा।

सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के बाद शिक्षा विभाग ने स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा हेतु जारी किए कड़े निर्देश

रायपुर। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा Suo Moto Writ Petition (Civil) No. 05/2025 में दिए गए स्पष्ट दिशा-निर्देशों के अनुपालन में तथा छत्तीसगढ़ शासन, पशुधन विकास विभाग, मंत्रालय नवा रायपुर के पत्र क्रमांक श्व-166671 × 153108/LAW-42/1802/ 2025/1724 दिनांक 13.11.2025 के आधार पर शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आदेश जारी किया गया है। शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, अब राज्य के प्रत्येक स्कूल के प्राचार्य या संस्था प्रमुख को नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। नोडल अधिकारी की यह जिम्मेदारी होगी कि स्कूल परिसर या आसपास यदि आवारा कुत्ते दिखाई दें, तो उसकी जानकारी तुरंत संबंधित ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत या नगर निगम के डॉग क्रैचर नोडल अधिकारी को दें। साथ ही स्कूल परिसर में कुत्तों का प्रवेश रोकने के लिए आवश्यक अवरोधक उपाय सुनिश्चित करें। यदि किसी बच्चे के साथ आवारा कुत्ते द्वारा काटे जाने की घटना होती है, तो बच्चे को तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाने की जिम्मेदारी स्कूल प्रशासन की होगी, ताकि आवश्यक प्राथमिक इलाज समय पर उपलब्ध कराया जा सके। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि इन निर्देशों का उद्देश्य प्रदेश के सभी स्कूलों में बच्चों के लिए सुरक्षित, भय-मुक्त और अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करना है। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुरूप तथा पशुधन विकास विभाग के मार्गदर्शन में यह अभियान पूरे प्रदेश में तेजी और संवेदनशीलता के साथ लागू किया जा रहा है। शिक्षा विभाग ने सभी जिलों के अधिकारियों, बीईओ, बीआरसी, सीआरसी तथा स्कूल प्रबंधन समितियों से अपेक्षा की है कि वे इन दिशा-निर्देशों का कठोरतापूर्वक पालन सुनिश्चित करें और बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

किरंदुल पालिका अध्यक्ष ने पुनरीक्षण फॉर्म को समय से जमा करने की अपील की

किरंदुल। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण एसआईआर अभियान को प्रभावी बनाने के किरंदुल पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह एवं सीएमओ शशि भूषण महापात्र ने सोमवार लोगों से संपर्क किए एवं उन्होंने किरंदुल क्षेत्र के सभी वार्डों में भ्रमण कर वार्डवासियों को आवश्यक जानकारी दी। पालिका अध्यक्षा ने वार्डो में उपस्थित जनता को बताया कि गहन पुनरीक्षण लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी प्रक्रिया हैं, जिसमें प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीणों को विस्तार से समझाया कि नाम जोड़ने, हटाने, संशोधन कराने, गलतियों को सुधारने तथा पहली बार मतदाता

बनने वाले युवाओं के लिए फॉर्म कैसे भरे जाते हैं और कौन-कौन से दस्तावेज आवश्यक होते हैं। उन्होंने कहा कि अक्सर जागरूकता की कमी या जानकारी न होने के कारण कई लोगों के नाम छूट जाते हैं, जिससे मतदान के समय उन्हें परेशानी झेलनी पड़ती है। यही कारण है कि पुनरीक्षण अभियान को गंभीरता से लेना आवश्यक हैं।

बस्तर की बेटी सुभद्रा कश्यप ने राष्ट्रीय एकलव्य स्पोर्ट्स मीट में रचा इतिहास

जगदलपुर। बस्तर जिले के लोहण्डीगुड़ा स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय गढ़िया की कक्षा 8 वीं की होनहार छात्रा सुभद्रा कश्यप ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। सुभद्रा ने हाल ही में ओडिशा के सुंदरगढ़ में आयोजित चौथे एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय स्पोर्टस मीट में शानदार प्रदर्शन करते हुए शतरंज प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय गढ़िया लोहण्डीगुड़ा की इस प्रतिभाशाली बालिका ने राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित खेल प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उसकी निर्णायक चालों और एकाग्रता ने उसे पोडियम के शीर्ष पर पहुँचाया। संस्था प्रमुख ऊषा शुक्ला ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा सुभद्रा

ने न केवल अपने विद्यालय और परिवार का नाम रोशन किया है, बल्कि उसने यह भी साबित कर दिया है कि प्रतिभा किसी सुविधा की मोहताज नहीं होती। उसकी यह जीत क्षेत्र की अन्य बालिकाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा है। सुभद्रा कश्यप की यह सफलता बस्तर के ग्रामीण और आदिवासी बहुल क्षेत्र की अन्य युवा प्रतिभाओं के लिए एक प्रेरणा का नया स्रोत बन गई है। एक छोटे से क्षेत्र की बालिका का राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतना यह दर्शाता है कि सही अवसर और मार्गदर्शन मिलने पर ये बच्चे किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ राज्य और पूरे बस्तर संभाग के लिए गौरव का विषय है।

गाय ने दिया दो सिर वाले बछड़े को जन्म, कुछ ही समय में मौत से हुआ दुखद अंत

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एक हैरतअंगेज और दुर्लभ घटना सामने आई है। कुसमुंडा क्षेत्र के विकास नगर, आईबीपी बस्ती में निवासी भगवान दास के घर गाय ने दो सिर वाले बछड़े को जन्म दिया। इस विचित्र जन्म की खबर फैलते ही आसपास के लोगों में कौतूहल बढ़ गया और बड़ी संख्या में बस्तीवासी इसे देखने के लिए वहां पहुंच गए। स्थानीय लोगों ने इस दुर्लभ घटना को चमत्कार माना और कई लोग हाथ जोड़कर बछड़े के आशीर्वाद लेने लगे। पशु प्रेमियों और ग्रामीणों में यह घटना चर्चा का मुख्य विषय बन गई। दो सिर वाले बछड़े का जन्म अत्यंत ही असामान्य माना जाता है और पशु चिकित्सा विज्ञान में इसे 'सिरोसिस्टिक' या जीनगत विकार की स्थिति के रूप में देखा जाता है। हालांकि जन्म के कुछ ही समय बाद बछड़े की मृत्यु हो गई। इस दुर्लभ और विचित्र घटना के कारण स्थानीय लोगों में दुख और आश्चर्य का मिश्रित भाव देखा गया। बछड़े की मौत के बाद मवेशी मालिक भगवान दास ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-पाठ कर उसका अंतिम संस्कार कर दिया। इस घटना पर पशुपालन विशेषज्ञों और स्थानीय पशु चिकित्सकों ने कहा कि दो सिर वाले बछड़े का जन्म अक्सर जीनगत विकार, पोषण की कमी या अन्य जैविक कारणों से हो सकता है। ऐसे बछड़े लंबे समय तक जीवित नहीं रहते, और उनका जन्म दुर्लभ होने के कारण यह घटना विशेष ध्यान आकर्षित करती है। स्थानीय प्रशासन और पशुपालन विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और घटना का संक्षिप्त निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि यह घटना दुर्लभ है और इससे डरने की जरूरत नहीं है।

जिला स्तरीय दो दिवसीय बस्तर ओलंपिक सम्पन्न, गीदम ब्लॉक ओवरऑल चैंपियन

दंतेवाड़ा। जिले में पारंपरिक खेलों के संरक्षण और युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा को मंच देने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय बस्तर ओलंपिक 2025 का सफल समापन हुआ। चारों विकासखंडों गीदम, कटेकल्याण, कुआँकोंडा और दंतेवाड़ा के खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गीदम विकासखंड ने ओवरऑल चैंपियन ट्रॉफी अपने नाम कर जिले के खेल इतिहास में एक और उपलब्धि दर्ज की। समापन अवसर पर आयोजित समारोह में क्षेत्र के विधायक चैतराम अटामी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलंपिक

केवल खेल प्रतियोगिता ही नहीं, बल्कि बस्तर की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप पारंपरिक खेलों को नई पहचान मिल रही है और ग्रामीण युवाओं के लिए यह आयोजन एक बड़ा मंच बनकर उभरा है। विधायक ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि जिले के खिलाड़ी अब जिला स्तर से आगे बढ़कर संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी शानदार प्रदर्शन करेंगे और संभाग में जीतकर दंतेवाड़ा जिले का नाम और अधिक रोशन करेंगे। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने भी बस्तर ओलंपिक के सफल आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि खेलों से अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व गुण विकसित होते हैं और इन्हीं मूल्यों के साथ जिले में खेल संस्कृति लगातार मजबूत हो रही है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा खेल सुविधाओं के विस्तार, प्रशिक्षण शिविरों की संख्या बढ़ाने और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं में बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए विशेष योजनाएं तैयार की जा रही हैं। दो दिनों तक चले इस महाआयोजन में खो-खो, वॉलीबॉल, वेटलिफ्टिंग, तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, कबड्डी, हॉकी, कराटे, बैडमिंटन और रस्साखींच जैसी कुल 11 विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिनमें खिलाड़ियों का जोश और खेल कौशल दर्शकों का ध्यान आकर्षित करता रहा। पूरे कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मैदानों में उत्साह, प्रतिस्पर्धा और पारंपरिक खेलों की ऊर्जा देखने को मिली।कार्यक्रम के अंत में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल और प्रमाणपत्र प्रदान किए।

जन्म- 8/12/1935
साहनेवाल-पंजाब

स्व-24/11/2025
मुंबई-महाराष्ट्र

नम आंखों से फिल्मी सितारों ने दी

धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का 89 साल की उम्र में सोमवार को निधन हो गया है। मुंबई स्थित श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके निधन से पूरे फिल्म जगत में शोक की लहर है। सोशल मीडिया पर फिल्मी सितारों के साथ-साथ राजनीति जगत से जुड़े लोग और उनके फैंस ने अपने पसंदीदा सितारे को नम आंखों से विदाई दी।

धर्मेंद्र की अदाकारी के कई रंग

धर्मेंद्र की फिल्में पंजाब के सिनेमा हॉल में इस कदर चलती थीं कि कई-कई सप्ताह नहीं उतरती थी। टिकटों को लेकर सिने दर्शकों में मारामारी रहती थी। धर्मेंद्र के फैंस उन्हें अलग-अलग फिल्मों में अलग-अलग किरदारों में देखने को हमेशा बेताब रहे तो वहीं धरम जी ने भी अलग-अलग किरदार में अपनी अदाकारी के कई रंग बिखेरे, लेकिन उनका देसीपन सदा कायम रहा। गांव का एक पंजाबी जट्ट उनके भीतर हमेशा जिंदा रहा।

गांव की मिट्टी से लगाव

धर्मेंद्र पंजाब, लुधियाना जिले के साहनेवाल गांव के थे। एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्में धर्मेंद्र ने अभिनय में रुचि के चलते पंजाब से सपनों की नगरी मुंबई का रूख किया और सुनहरे पर्दे के सुपरस्टार बन गए, लेकिन अपने गांव की मिट्टी की खुश्बू वो कभी नहीं भूले। धर्मेंद्र जब भी पंजाब जाते तो अपने गांव जरूर जाते, अपने गांव को लोगों से मिलते। वो सदैव अपनी मिट्टी से जुड़े रहे। उन सपनों में धर्मेन्द्र जैसा सुंदर और मजबूत शरीर वाला हैंडसम, जिंदादिल और नेकी के रास्ते आगे बढ़ने वाला हीरो शामिल था। आजादी के बाद पारंपरिक बेड़ियों को तोड़कर आगे बढ़ने वाली लड़कियों के लिए तो धर्मेन्द्र 'सपनों के राजकुमार' जैसा ही था।

आशा पारेख ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा- धर्मेंद्र जी से आखिरी बार एक कार्यक्रम में मुलाकात हुई थी। वे काम के प्रति जुनूनी थे। उनके साथ काम करने का अनुभव बेहद अच्छा रहा है। वे अच्छे इंसान थे और सेट पर वे शांत रहते थे। उनको शर्म बहुत आती थी। आंखें नीचे करके बैठे थे। वे सेट पर अपने दोस्तों के साथ बैठकर बातें करते थे। ये बात बिल्कुल सही है कि वे स्टारडम कभी शो नहीं करते थे। वे को-स्टाफ का भी बहुत ख्याल रखते थे। आउटडोर पर शूटिंग में काफी भीड़ होती थी, तब वे हर किसी का ख्याल रखते थे।

करण जौहर ने श्रद्धांजलि देते हुए लिखा यह एक युग का अंत है, एक विशाल मेगास्टार, मुख्यधारा के सिनेमा में एक सच्चे हीरो की पहचान, अविश्वसनीय रूप से हैंडसम और रहस्यमयी स्क्रीन प्रेजेंस वाले। वह हैं और हमेशा रहेंगे भारतीय सिनेमा के एक सच्चे दिग्गज। सिनेमा के इतिहास के पन्नों में उनका नाम सदैव चमकता रहेगा।

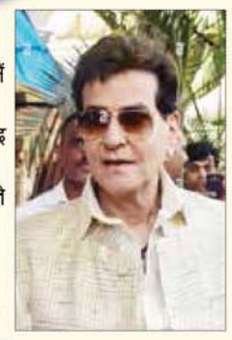

जितेंद्र ने कहा, "मेरे दिल में जो इमोशन है, उसे बताने के लिए अभी मेरे पास शब्द नहीं हैं! मैंने एक दोस्त खो दिया है, मेरे लिए तो वो एक भाई से भी ज्यादा था! भले ही हम पिछले कुछ दशकों में कम मिले, लेकिन हमारी दोस्ती हमेशा समय की कसौटी पर खरी उतरी है! एक हमेशा रहने वाला कनेक्शन जो हमारे साथ की गई कई फिल्मों में को-एक्टर के तौर पर शेयर किए गए प्रोफेशनल इक्वेशन से कहीं आगे था! हमने साथ में जो पल बिताए, वे हमेशा मेरे दिल में रहेंगे! उनके परिवार और दोस्तों के प्रति मेरी गहरी संवेदना! **RIP** धरम जी!"

अनिल कपूर ने श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, "धरम जी के बारे में एक वाक्य में लिखना मुश्किल है... हीरो, पिता, पंजाबी, एक ऐसे इंसान जो जितने शरारती थे, उतना ही इमोशनल भी थे, लार्जर दैन लाइफ, लेकिन फिर भी हर किसी के दिल के करीब।"

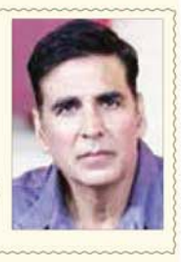

अक्षय कुमार ने श्रद्धांजलि देते हुए लिखा बड़े होते हुए, 'बचपन से लेकर अब तक, धर्मेंद्र जी वो हीरो थे, जैसा हर लड़का बनना चाहता था हमारी इंडस्ट्री के असली ही-मैन। पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए धन्यवाद। आप हमेशा अपनी फिल्मों और उस मोहब्बत के जरिए जिंदा रहेंगे, जो आपने सबको दी। ओम शांति।'

सायरा बानो ने कहा खूबसूरत और आकर्षक इंसान कम ही होते हैं। उनकी सेहत में भी सुधार आ रहा था, जल्दी ही वेंटिलेटर भी हटने वाला था। अब क्या कहूं, समझ नहीं आ रहा।'

अमीषा पटेल ने श्रद्धांजलि देते लिखा, "न्यूयॉर्क में हूं। उठी तो दिल तोड़ने वाली खबर मिली! धरम जी न सिर्फ बॉलीवुड के ही-मैन और सबसे गुडलुकिंग मैन थे, बल्कि इंडस्ट्री के सबसे अच्छे, सबसे गर्मजोशी वाले और सबसे अद्भुत इंसान भी थे! आपका प्यार से गले लगाना, मुस्कान और हिम्मत बढ़ाने वाले शब्दों की कमी खलेगी।"

सुनील शेट्टी ने धर्मेंद्र को याद करते हुए लिखा, "ताकत में भी नरमी, स्टारडम में भी सादगी, और हीरोइज्म में भी एक साफ-दिल इंसान। यही थी धरम पाजी की असली पहचान। दुनिया उन्हें ही-मैन कहती थी, लेकिन जो लोग उन्हें करीब से जानते थे, उनके लिए वो सिर्फ एक बेहद गर्मजोशी से भरे, प्यार करने वाले इंसान थे।

प्रस्तुति ▸▸ वरुण तिवारी

6 बच्चे और 13 नाती-पोते से भरा पूरा परिवार

धर्मेंद्र का जन्म डांगो लुधियाना में हुआ था, जिस घर में कभी धर्मेंद्र का जन्म हुआ था अब उस घर का मालिक एक हलवाई है, जिसे उसने कईयों बरस पहले खरीदा था। वहीं लुधियाना जिले में स्थित एक दूसरा गांव साहनेवाल है जहां धर्मेंद्र का बचपन बीता, साहनेवाला वही गांव है जहां इनके पिता एक सरकारी मास्टर हुआ करते थे और इसी गांव में उनका ननिहाल भी था। बचपन से जवानी तक धर्मेंद्र इसी साहनेवाल में रहे और यहीं की रहने वाली प्रकाश कौर से उनकी पहली शादी हुई, जिनसे उन्हें चार बच्चे हुए। प्रकाश कौर और धर्मेंद्र से अजीता, विजेता, सनी और बॉबी हैं। अजीता की शादी किरण चौधरी से हुई है, और उनकी दो बेटियाँ हैं: निकिता चौधरी और प्रियंका चौधरी। विजेता ने विवेक गिल से विवाह किया है, और उनके दो बच्चे हैं—एक बेटी प्रेरणा गिल और एक बेटा साहिल गिल। वहीं सनी देओल ने पूजा देओल से शादी की थी। इस दंपति के दो बेटे हैं- करण देओल और राजवीर देओल। बॉबी देओल ने तान्या देओल से विवाह किया। उनके दो बेटे हैं- आर्यमन देओल और धरम देओल। वहीं हेमा मालिनी से धर्मेंद्र की दो बेटियां हैं- ईशा और अहाना देओल। ईशा ने कारोबारी भरत तख्तानी से शादी की थी, लेकिन 2024 में दोनों अलग हो गए। ईशा की दो बेटियां हैं- राध्या और मिराया। अहाना ने 2014 में बिजनेसमैन वैभव वोहरा से शादी की थी, और उनके तीन बच्चे, एक बेटा और दो बेटियां हैं।

धर्मेंद्र की फिल्मों के कुछ हिट संवाद

धर्मेंद्र भारतीय सिनेमा के उन दिग्गज कलाकारों में से हैं जिन्होंने फिल्मों को कई यादगार पल और दमदार डायलॉग दिए। उनकी एक्टिंग ही नहीं, बल्कि उनके बोले हुए डायलॉग आज भी दर्शकों के दिल में बसते हैं। चाहे उनका गुस्से से भरा अंदाज हो या हास्य से भरे एक-लाइनर, उनकी बातें एक पूरी पीढ़ी की यादों में बस गई हैं। उनका मशहूर डायलॉग "बसंती, इन कुत्तों के सामने मत नाचना" फिल्म शोले (1975) का हिस्सा है। इसके अलावा इसी फिल्म का एक दूसरा डायलॉग 'एक-एक को चुन-चुन के मारूंगा चुन-चुन के मारूंगा' भी खासा प्रसिद्ध है। 'ओए! इलाका कुत्तों का होता है, शेर का नहीं', (फिल्म – यमला पगला दीवाना। फिल्म यादों की बारात (1973) में धर्मेंद्र का डायलॉग "कुत्ते, कमीने, मैं तेरा खून पी जाऊंगा" बेहद लोकप्रिय हुआ। फिल्म लोहा में उनका दमदार डायलॉग "तुम्हारी ये गोली लोहे के शरीर के पार नहीं जा सकती" जैसे अनगिनत फिल्में और उनके संवाद है।

संजय दत्त ने श्रद्धांजलि देते हुए सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि कुछ लोग सिर्फ आपके जीवन में काम नहीं करते...वे आपके दिल में बस जाते हैं, धरम जी उसमें से एक थे। यह एक ऐसा खालीपन है जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।

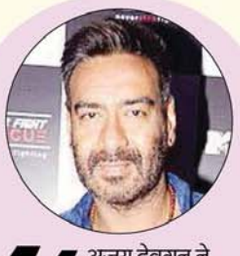

अजय देवगन ने श्रद्धांजलि देते हुए लिखा धरम जी के बारे में सुनकर दिल टूट गया। उनके प्यार, दरियादिली और मौजूदगी ने कई पीढ़ियों के कलाकारों को प्रेरित किया। इंडस्ट्री ने एक लेजेंड खो दिया है और हमने एक ऐसा इंसान खो दिया है जिसने हमारे सिनेमा की आत्मा को आकार दिया। रेस्ट इन पीस, धरम जी। ओम शांति

मधुर भंडारकर ने लिखा, "दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र जी के निधन की खबर सुनकर दिल टूट गया। वे भारतीय सिनेमा के असली ही-मैन थे। मुझे उनसे कई बार मिलने का सौभाग्य मिला और हर बार वे बेहद जिंदादिल और हंसी-मजाक से भरे रहते थे। उनका अद्भुत योगदान एक युग का अंत है। भारतीय सिनेमा में उनकी विरासत हमेशा याद रखी जाएगी। ओम शांति।"

काजोल ने श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, 'अच्छे इंसान का असली मायने समझाने वाला एक और सितारा चला गया और दुनिया थोड़ी और गरीब हो गई। लगता है जैसे अब सिर्फ अच्छे लोग ही हमसे छिनते जा रहे हैं। धर्म जी दिल के बेहद साफ, हर किसी के चहेते और हमेशा प्यार देने वाले थे। धर्म जी, आपकी कमी हमेशा खलेगी। आत्मा को शांति मिले ढेर सारा प्यार हमेशा।'

करीना कपूर ने अपने दादा राज कपूर और धर्मेंद्र की एक पुरानी तस्वीर शेयर की है जिसमें दोनों एक-दूसरे को गले लगाते नजर आ रहे हैं। उन्होंने इस फोटो के साथ एक दिल वाला इमोजी लगाया। इसके साथ ही उन्होंने लिखा — 'फॉरएवर इन पावर' और 'चढ़दी कला'।

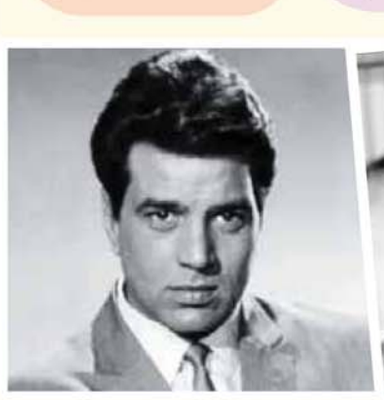

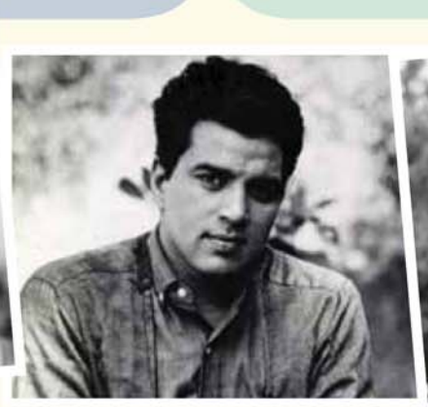

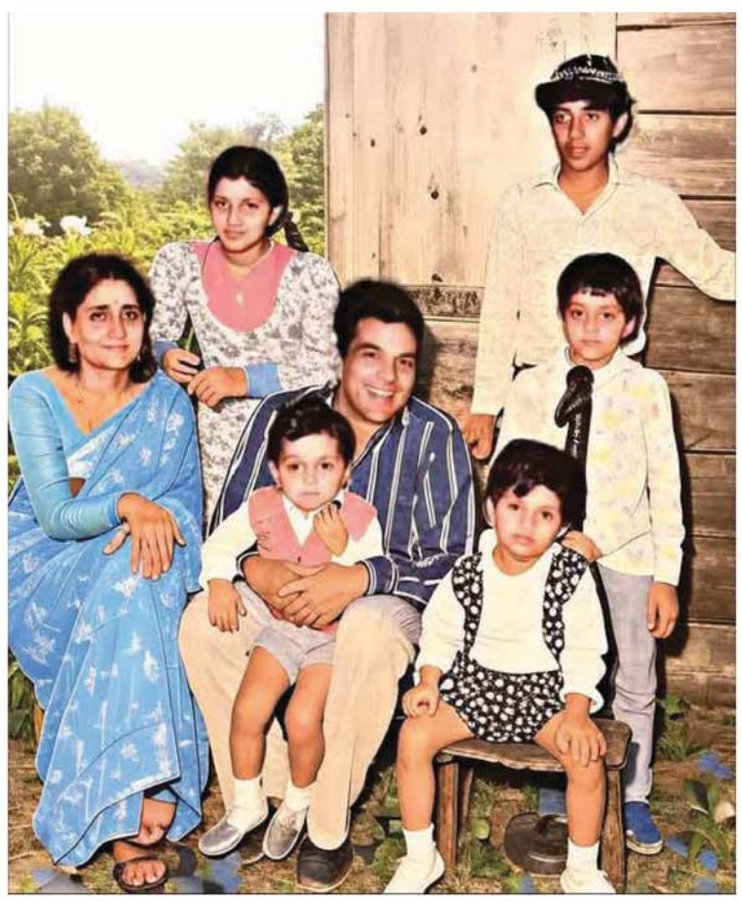

धर्मेंद्र के करियर का सबसे सफल साल

अपने 65 साल के फिल्मी करियर में धर्मेंद्र ने कई सुपरहिट फिल्में दीं, जिनमें यादों की बारात, शोले, लोहा, चुपके-चुपके जैसी अनेकों फिल्में हैं। हालांकि, उनके फिल्मी करियर में एक साल ऐसा भी आया था जब एक के बाद एक उनकी 7 फिल्में हिट हुई थीं। यानि यह साल उनके लिए सबसे यादगार और लकी साबित हुआ था। अपने अभिनय करियर में 300 से अधिक फिल्में करने वाले बॉलीवुड के हीमैन ने जीवन में 50 से अधिक हिट फिल्में दी हैं लेकिन एक साल ऐसा भी था जब धर्मेंद्र बॉक्स ऑफिस के राजा बन गए थे। यह साल 1987 था जो धर्मेंद्र के लिए सबसे लकी साबित हुआ। इस साल जो सात फिल्में हिट हुई थीं उनके चलते धर्मेंद्र डायरेक्टर्स के फेवरेट बन गए थे। 1987 में हिट हुई इन 7 फिल्मों के जरिए धर्मेंद्र को नई पहचान मिली थी। साल 1987 में धर्मेंद्र की पहली फिल्मी 'इंसानियत के दुश्मन' 2 जनवरी को रिलीज हुई थी। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने अच्छा कलेक्शन किया था और ये फिल्म हिट साबित हुई थी। इसके बाद 'हुकूमत', 'लोहा', 'आग ही आग', 'मर्द की जुबान', 'वतन के रखवाले' और 'दादागिरी' फिल्म ने भी बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी थी।

प्रशंसकों से काफी प्यार करते थे हीमैन

बॉलीवुड के दिवंगत दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र आज भले ही हमारे बीच नहीं, लेकिन उनके प्रति फैंस का प्यार बेसुमार है। देवानंद के अभिनय से प्रभावित होकर कभी मुंबई आए और फिर फिल्म जगत में ऐसे जमे कि फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। धर्मेंद्र अपनी अदभुत अदाकारी की बदौलत अपने फैंस की लंबी फेहरिस्त बनाते चले गए। इसीलिए उनके फैंस उन्हें काफी प्यार करते हैं। धर्मेंद्र सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते थे अपने बारे में अपने फैंस को सोशल मीडिया के माध्यम से रूबरू कराते रहते थे। एक बार उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से अपना पसंदीदा गाना गाते हुए वीडियो फैंस के साथ साझा किया है। इसके साथ ही मजेदार कैप्शन भी लिखा है, जिस पर उनके फैंस ने कमेंट्स की बरसात कर दी थी। जिसके बोल थे 'ऐ दिल मुझे ऐसी जगह ले चल जहां कोई ना हो।' वहीं "आपकी नजरों ने समझा": यह गाना फिल्म 'अनपढ़' का है यह भी धरम जी को बहुत पसंद था। एक साक्षात्कार के दौरान जया प्रदा ने एक बार बताया था कि उन्होंने धर्मेंद्र को यह गाना गुनगुनाते हुए सुना था। और "आज मौसम बड़ा बेईमान है" भी उनका पसंदीदा गाना रहा।

संक्षिप्त समाचार

सहकारी समितियों के कर्मचारी के काम पर वापस आने से खरीदी में आई तेजी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी अब तेज हो गई है। धान छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था और किसानों की जीवन रेखा है। सरकार ने 2739 धान खरीदी केन्द्रों में आवश्यक सुविधा सुनिश्चित की है। इसके चलते धान खरीदी में तेजी आ रही है। मिली जानकारी के अनुसार राज्य में समर्थन मूल्य पर 3100 रूपए प्रति क्विंटल दर 25 लाख किसानों से धान खरीदी की जा रही है, 15 नवंबर से 31 जनवरी तक धान खरीदी होगी। 23 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में डिजिटल सर्वे करा लिया गया है। 2739 धान खरीदी केन्द्रों सदृढ़ व्यवस्था की गई है। किसानां को 7 दिनों भुगतान करन होगा। किसानों से एक लाख मीट्रिक टन धान खरीदी जाएगी, इसके लिए मॉनिटरिंग एवं नियंत्रण की व्यवस्था की गई है। मार्कफेड को नोडल एजेंसी बनाया गया है, इसके लिए इंटीग्रेटेड कमाण्ड एवं कंट्रोल सेंटर स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। इस खरीदी में परिवहन और रियल टाईम मॉनिटरिंग संभव होगी। प्रत्येक जिले में कंट्रोल रूप स्थापित किया गया है। छत्तीसगढ़ के लगे ओड़िशा, महाराष्ट्र एवं आंध्रप्रदेश व मध्य प्रदेश से धान की अवैध आवक हहती है, इसके लिए प्रदेश के प्रत्येक सीमावर्ती क्षेत्रों में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। इसके बावजूद धान खरीदी की अवैध आवक नहीं हो रहा है। धान खरीदी के लिए पर्याप्त साधन की व्यवस्था की गई है। करीब एक लाख गठान बारदाना खरीदी गया है। छत्तीसगढ़ में भारत शासन के खाद्य विभाग के लिए 23 लाख चावल केन्द्रीय पुल निर्धारिक किया गया है। किसानों को उचित समय भुगतान की सीमा तय की गई है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि किसानों को समय पर भुगतान मिले यह हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। धान खरीदी केन्द्रों में टोकर तोहर हाथ मोबाइल एप्प के माध्यम से सुविधा शुरू की गई है। किसान अपनी सुविधा के अनुसार तिथि समय चुनकर टोकर पास कर सकेंगे। धान खरीदी के दौरान बायामैट्रिक सुविधा सुनिश्चित की गई है। राज्य में धान खरीदी के लिए करीब 40 हजार करोड़ रूपए खर्च होंगे। वहीं 10 लाख रूपए के भुगतान को भी निशिचित कि है सहकारी समितियों के हड़ताल में चले जाने के कारण यह खरीदी प्रभावित हो गई थी, अब वे वापस आ गए हैं।

धान खरीदी व्यवस्था सुव्यवस्थित करने नवीन टोकन व्यवस्था

रायपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार धान खरीदी प्रणाली को पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित तरीके से संचालित किए जाने हेतु इस वर्ष टोकन जारी करने की प्रक्रिया को और अधिक सरल तथा किसान हितैषी बनाया गया है। किसानों की सुविधा के लिए नवीन टोकन व्यवस्था लागू करते हुए निर्धारित पात्रता के आधार पर टोकन जारी किए जा रहे हैं। शासन द्वारा जारी व्यवस्था के अनुसार 2 एकड़ तक भूमि वाले किसानों को अधिकतम 1 टोकन, 2 से 10 एकड़ तक के कृषकों को अधिकतम 2 टोकन तथा 10 एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों को अधिकतम 3 टोकन की पात्रता निर्धारित की गई है। किसानों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए राज्य शासन ने टोकन तुहर ऐप की सुविधा उपलब्ध कराई है। इसके माध्यम से कुल उपलब्ध टोकनों में से 80 प्रतिशत टोकन लघु एवं सीमांत किसानों के लिए तथा 20 प्रतिशत टोकन दीर्घ किसानों के लिए आरक्षित किए गए हैं। किसान अपनी सुविधानुसार ऐप में लॉगिन कर निर्धारित मानदंडों के अनुसार टोकन प्राप्त कर सकते हैं। किसानों द्वारा आवेदन करने की तिथि से अगले सात खरीदी दिवस तक का टोकन जारी किया जा सकता है। समितियों के माध्यम से टोकन वितरण रविवार से शुक्रवार तक प्रतिदिन प्रात: 9:30 बजे से सायं 5:00 बजे तक किया जा रहा है। वहीं टोकन तुहर ऐप के माध्यम से ऑनलाइन टोकन प्राप्त करने की सुविधा प्रतिदिन प्रात: 8:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक उपलब्ध है। जिला प्रशासन ने किसानों से अपील किया है कि वे नवीन टोकन व्यवस्था का लाभ उठाते हुए अपने निर्धारित समय में ही धान लेकर खरीदी केंद्र पहुंचे।

बैंक में बंधक मकान सौदा कर 40 लाख रूपये की ठगी,दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। बिलासपुर के सरकंडा थानाक्षेत्र में दो लोगों के द्वारा एक व्यक्ति को बैंक में बंधक मकान को दिखाकर उसका बिक्री ईकरारनामा तैयार कर उससे 40 लाख रूपये ले लेने तथा रजिस्ट्री नही कर धोखाधड़ी करने की शिकायत पर पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने बिना नामांतरण कराये बैंक में बंधक मकान को बिक्री करने का सौदा किया था। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अजीत शुक्ला पिता जे.एल. शुक्ला उम्र 57 वर्ष निवासी सूर्या विहार सरकण्डा का दिनांक 22.11.2025 को रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसका परिचय दिनेश प्रताप सिंह के साथ है जिससे भेंट मुलाकात होते रहता था, परिचय होने के कारण दिनेश प्रताप सिंह ने अप्रैल 2024 में भास्कर त्रिपाठी नामक व्यक्ति से अपने निवास में मिलवाया जिसने बताया कि वह एसईसीएल कोरबा में कार्यरत् है जिसका मकान विवेकानंद नगर मोपका में है जिसे वह बिक्री करना चाहता है, जिसे देखने के बाद मैंने खरीदी करने का ईच्छा जताया तब भास्कर त्रिपाठी ने उक्त मकान को बिक्री करने के लिए मुझसे 50 रूपये के स्टाम्प पेपर में दिनांक 26.04.2024 को इकरारनामा तैयार कराया।

उद्योग और पर्यटन को मिलेगा बूस्ट

छत्तीसगढ़ को मिले 6800 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव

- छत्तीसगढ़ देश का सबसे भरोसेमंद और तेज़ी से उभरता औद्योगिक गंतव्य- मुख्यमंत्री
- दिल्ली में आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम में 3,000 से ज्यादा रोजगार का खुला रास्ता

रायपुर। संवाददाता

राजधानी दिल्ली आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ को अभूतपूर्व निवेश प्रस्ताव मिले। स्टील, ऊर्जा और पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख कंपनियों ने राज्य में उद्योग स्थापित करने, क्षमता विस्तार, होटल निर्माण और वेस्ट-टू-एनर्जी प्रोजेक्ट के लिए रुचि दिखाई। कार्यक्रम में शामिल कंपनियों ने कुल 6321.25 करोड़ के औद्योगिक निवेश और 505 करोड़ का पर्यटन निवेश का प्रस्ताव दिया है। इन परियोजनाओं से आगामी वर्षों में 3,000 से अधिक रोजगार अवसर सृजित होने की उम्मीद है। इस निवेश प्रस्ताव के साथ अब तक छत्तीसगढ़ को कुल 7.90 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। दिल्ली स्थित होटल द ललित में आज आयोजित कार्यक्रम में स्टील और टूरिज़्म सेक्टर को केंद्र में रखते हुए नए निवेश अवसरों पर फोकस किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने उद्योग जगत के प्रमुख निवेशकों, विशेषज्ञों और उद्योग प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की एवं स्टील और टूरिज़्म सेक्टर की कई कंपनियों को निवेश प्रस्ताव पत्र सौंपे। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन, भारत सरकार के केमिकल और उर्वरक मंत्रालय के सचिव अमित अग्रवाल, इस्पात मंत्रालय के सचिव संदीप पौंडरिक भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों को निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ आज देश के सबसे भरोसेमंद, स्थिर

और तेज़ी से उभरते हुए औद्योगिक गंतव्यों में शामिल है। उन्होंने कहा कि राज्य में ऊर्जा, खनिज, सक्षम मानव संसाधन और निवेशक-हितैषी नीति का ऐसा संयोजन मौजूद है, जो किसी भी उद्योग के लिए अत्यंत उपयुक्त वातावरण तैयार करता है। उन्होंने बताया कि सिंगल विंडो सिस्टम के तहत अनुमतियाँ अब पहले की तुलना में अधिक तेज़ी और पारदर्शिता के साथ जारी हो रही हैं। छत्तीसगढ़ में उद्योग लगाना आज पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है। राज्य में कोयला, लौह अयस्क, बॉक्साइट, टिन, लिथियम जैसे महत्वपूर्ण खनिजों की उपस्थिति बड़े औद्योगिक और विनिर्माण क्षेत्र के लिए वरदान है। उन्होंने कहा कि हाल ही में आयोजित 'एनर्जी समिट' में राज्य को साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और कई परियोजनाओं में कार्य प्रारंभ भी हो चुका है। मुख्यमंत्री साय ने स्टील सेक्टर का उल्लेख करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ देश का स्टील हब है, जहां भिलाई स्टील प्लांट, नगरनार स्टील प्लांट और एमएसएमई आधारित स्टील इकाइयां राज्य की औद्योगिक पहचान को मजबूती प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा भिलाई स्टील प्लांट पिछले 70 वर्षों से देश की औद्योगिक प्रगति का स्तंभ रहा है और इसकी उपस्थिति ने स्टील आधारित उद्योगों का प्राकृतिक इकोसिस्टम तैयार किया है। ग्रीन स्टील और नवीकरणीय ऊर्जा पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा निर्धारित नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य राज्य के लिए नए अवसर लेकर आया है और छत्तीसगढ़ इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। टूरिज़्म सेक्टर पर बात करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि बस्तर आज बहुत बदल रहा है। नक्सल हिंसा में कमी आई है, सड़कें, इंटरनेट और सुरक्षा व्यवस्था बेहतर हुई है। उन्होंने कहा कि बस्तर अब निवेश और पर्यटन दोनों का नया केंद्र बन रहा है।

माकड़ी ब्लॉक में 100 पीएम सूर्य घर का सफल इंस्टालेशन

रायपुर। संवाददाता

कोंडागांव जिले का माकड़ी ब्लॉक आज पूरे बस्तर संभाग में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में एक नया केन्द्र बनकर उभर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर घर सोलर विज़न को वास्तविक रूप देने वाली पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने इस क्षेत्र में न केवल सुलभ ऊर्जा की उपलब्धता सुनिश्चित की है, बल्कि इससे ग्रामीण जीवन में बड़ा बदलाव आया है। डिस्ट्रिब्यूशन सेंटर मॉकडी ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 100 घरों में रूफटॉप सोलर सिस्टम को सफलतापूर्वक ग्रिड से सिंक्रोनाइज करके एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है, जो साबित करती है कि दूरस्थ और आदिवासी बहुल क्षेत्रों में भी सौर ऊर्जा अपनाने की जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत अब तक जिले में कुल 284 घरों में सोलर पैनल लग चुका है, जिसमें 50 से अधिक इंस्टॉलेशन सिर्फ ग्राम माकड़ी में ही किए गए हैं।उक्त योजना के तहत घरों की छतों पर स्थापित सोलर पैनल से घरेलू खपत की पूर्ति में सक्षम होते हैं और बिजली की अतिरिक्त उत्पादन से आय भी प्राप्त कर सकते हैं। इस पहल की सबसे बड़ी बात यह है कि केंद्र और राज्य शासन की संयुक्त सब्सिडी ने ग्रामीण परिवारों के लिए सोलर सिस्टम लगवाना बेहद आसान कर दिया है। केंद्र सरकार द्वारा दी जाने वाली बड़ी सब्सिडी के साथ-साथ छत्तीसगढ़ राज्य शासन भी अतिरिक्त आर्थिक सहायता प्रदान करता है। यह सब्सिडी सीधे डीबीटी के माध्यम से उपभोक्ता के बैंक खाते में जमा होती है, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, सरल और भरोसेमंद बन गई है।माकड़ी ब्लॉक में सौर ऊर्जा अपनाने के बाद परिवारों के जीवन में उल्लेखनीय परिवर्तन आए हैं। बिजली बिलों में भारी कमी आई है, कई घरों में मासिक बिल लगभग शून्य होने लगा है। ग्रिड-कनेक्शन होने की वजह से ग्रामीणों को दिन-रात स्थिर बिजली उपलब्ध हो रही है और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

कांग्रेस अब अपने पतन की ओर बढ़ चुकी है नलिनीश ठोकने

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नलिनीश ठोकने ने राजनांदगाँव में प्रदेश युवा कांग्रेस की अंदरूनी कलह के खुलकर सामने आने युवा कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी की बैठक से युकां कार्यकर्ताओं की किनाराकशी पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि इससे साफपता चल रहा है कि कांग्रेस का संगठनात्मक ढाँचा कितनी बुरी कदर चरमरा गया है! श्री ठोकने ने कहा कि चुनावों में लगातार हारती जा रही कांग्रेस अब अपने पतन की पराकाष्ठा की ओर बढ़ चुकी है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठोकने ने कहा कि कांग्रेस के शीर्ष से लेकर प्रदेश नेतृत्व तक लगातार हार के बावजूद अपने संगठनात्मक ढाँचे की जरा भी फिक्र नहीं कर रहे हैं, जो कांग्रेस और उससे जुड़े संगठनों के पदाधिकारियों के अपमान से जगजाहिर हो रहा है।

जमीन की सरकारी कीमत मार्केट रेट से ज्यादा

कांग्रेस जनों ने किया पंजीयन कार्यालय के सामने प्रदर्शन....

- पंजीयन शुल्क को 4 प्रतिशत रखने की मांग
- जांच कराकर नया रेट लागू करना चाहिए

रायपुर। संवाददाता

राज्य शासन के द्वारा जमीन की नई रजिस्ट्री दर लागू करने के विरोध में आज कांग्रेसजनों ने जिलाधीश कार्यालय में जंगी प्रदर्शन किया। रायपुर पश्चिम के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय द्वारा मिली जानकारी के अनुसार राज्य में

आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी के निर्देश पर जमीन की नई रजिस्ट्री दरें लागू की गई है, जिसके कारण बिल्डरों एवं गरीबों में काफी रोष है। जिसके कारण यहां पर जमीन की खरीदी बिक्री प्रभावित होगी। वहीं चोर दरवाजा भी खुल जाएगा जिसके चलते यहां शासन को घाटा होगा वहीं शासन को राजस्व की क्षति होगी। उपाध्याय ने आरोप लगाया कि राज्य में डायवर्सन नहीं होने से वैसे भी गरीब लोग और किसान परेशान है। इस तरह नई रजिस्ट्री के रेट जारी होने से लोग परेशान हो जाएंगे। आज जिला पंजीयन एवं स्टाम्प कार्यालय के सामने विकास उपाध्याय सहित जिलाध्यक्ष एवं विभिन्न पदाधिकारियों ने भाग लिया। यहां पर लोगों ने सरकार के विरूद्ध जमकर नारे बाजी की है। याद रहे कि राजधानी में इस समय बड़ी संख्या में बिल्डर सक्रिय है। नए रेट के बढ़ाने से यहां पर लोग परेशान हो जाएंगे। वैसे भी रजिस्ट्री कराने के लिए काफी परेशानी लोगों को होती है। इधर बिल्डरों ने आरोप लगाया कि कई जगहों में जमीन की सरकारी कीमत मार्केट रेट से ज्यादा हो गई है।

एसआईआर,पुराना रिकॉर्ड लोगो की बढ़ाई परेशानी..

- एक पता एक घर पोलिंग बूथ अलग-अलग
- राजधानी के सीमावर्ती जिलों से आए लोग ऑनलाइन देख रहे मतदाता सूची

रायपुर। संवाददाता

राजधानी में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का काम जोरो से चल रहा है, इसके तहत शहर के विभिन्न वार्डों में बीएलओ ने घर-घर जाकर एसआईआर का फार्म वितरित कर दिया है, लेकिन गलत जानकारी और पुराने रिकार्ड में लोगों की परेशान बढ़ा दी है। लोगों की समस्याए ये है कि पता जशपुर का है, लेकिन रहना रायपुर में हो रहा है, इसी तरह की शिकायत धमतरी, महासमुंद, बिलासपुर, दुर्ग जिले के लोगों की भी है, जो कि अब 2003 की मतदाता सूची में अपना नाम खोजने को लेकर परेशान हैं। मिली जानकारी के अनुसार राजधानी में इस समय बीएलओ तथा राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता बीएलए भी फार्म भराने को लेकर सक्रिय हैं। अब बीएलओ भी इस बात को लेकर परेशान है कि मतदाता सूची क्रम नहीं है। एक मतदाता का नाम एक कॉलोनी में है तो दूसरा का पता किसी और कालोनी में दर्ज है। कई मतदाता किराए में रहते अब यहां से चले गए हैं। मठपुरैना तथा अन्य क्षेत्रों में भी यही समस्या है, जिससे सत्यापन का काम कठिन हो गया है। लोगों से अपील की गई है कि 2003 की मतदाता सूची ऑनलाईन देखें। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य में चलाए जा रहे मतदाता सूचियां के विशेष गहण पुनरीक्षण 2026 कार्यक्रम के तहत वर्तमान में गणना चरण का कार्य चल रहा है। इस दौरान कोई भी वैध मतदाता ना छूटे और कोई अवैध नाम शामिल न हो उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए बूथ लेवल अधिकारी द्वारा दुर्गम क्षेत्रों में विषम परिस्थितियों में भी अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए मतदाताओं तक पहुंच रहे हैं और उनसे गणना प्रपत्र भरवा रहे हैं।

कठिनाइयां ही इंसान को मजबूत बनाती हैं : वित्तमंत्री चौधरी

वित्त मंत्री चौधरी ने की 66 विद्यार्थियों को 5-5 हजार स्वेच्छानुदान देने की घोषणा.....

- संघर्ष, मेहनत और आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी - पद्मश्री आनंद कुमार
- मेरिट सूची में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को मिलेगा 1-1 लाख रुपये शिक्षा सहायता

रायपुर। संवाददाता

युवाओं के उज्ज्वल भविष्य, प्रेरणा और सुनियोजित कैरियर निर्माण के उद्देश्य से प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी के विशेष पहल पर आज रायगढ

जिले के पुसौर में भव्य कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के प्रसिद्ध शिक्षाविद तथा सुपर-30 के संस्थापक पद्मश्री श्री आनंद कुमार ने विद्यार्थियों को सफलता के मंत्र दिए। कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री ने 66 चयनित विद्यार्थियों को 5-5 हजार रुपये स्वेच्छानुदान प्रदान करने की घोषणा की। इसके साथ ही कहा कि आगामी वर्ष कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं की मेरिट सूचियों में स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को 1-1 लाख रुपये शिक्षा सहायता दिया जाएगा। कार्यक्रम में सर्वप्रथम वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप सरकार युवाओं के भविष्य निर्माण हेतु निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि जीवन में बड़ी सफलता के लिए स्पष्ट लक्ष्य, सही मार्गदर्शन और कड़ी मेहनत अत्यंत आवश्यक हैं। कठिनाइयाँ ही इंसान को मजबूत बनाती हैं। उन्होंने अपने छात्र जीवन के संघर्षों तथा सरकारी स्कूल से कलेक्टर और मंत्री बनने की प्रेरक यात्रा साझा करते हुए कहा कि मेहनत, निर्णय शक्ति और समय के सही उपयोग से कोई लक्ष्य असंभव नहीं। उन्होंने बताया कि केवल डिग्री को महत्व देना पर्याप्त नहीं, बल्कि लक्ष्य आधारित पढ़ाई, दृढ़ संकल्प और परिस्थितियों को स्वीकार कर आगे बढ़ना ही सफलता का मूल मंत्र है।

कालींगा विश्वविद्यालय द्वारा साइंस वर्किंग मॉडल प्रतियोगिता 4.0 का भव्य आयोजन किया गया

रायपुर। संवाददाता

कालींगा विश्वविद्यालय, नया रायपुर द्वारा साइंस वर्किंग मॉडल प्रतियोगिता 4.0 का भव्य आयोजन 22 नवंबर 2025 को सफलतापूर्वक किया गया, जिसमें छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट वैज्ञानिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम ने विश्वविद्यालय को नवाचार, शोध संस्कृति और समग्र छात्र विकास के प्रमुख केंद्र के रूप में पुनर्स्थापित किया। 40 से अधिक स्कूलों की भागीदारी, 80 कार्यशील मॉडल, 400+ छात्र प्रतिभागी और 450+ आगंतुकों की उपस्थिति ने उत्साह, जिज्ञासा और वैज्ञानिक ऊर्जा से भरा हुआ वातावरण निर्मित किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पंजीयक डॉ. संदीप गांधी द्वारा किया गया। उन्होंने छात्रों की मौलिकता, शोध दृष्टिकोण और वैज्ञानिक सोच की सराहना करते हुए उन्हें राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले नवोन्मेषी, भविष्य उन्मुख विचार विकसित करने के लिए प्रेरित किया। मॉडलों का मूल्यांकन एक प्रतिष्ठित विशेषज्ञ समिति द्वारा किया गया, जिसमें शामिल थे— डॉ. बेन्दी अंजनयुलु, उप-डीन (शैक्षणिक कार्य) एवं प्रभारी डीन, विज्ञान संकाय, कालींगा विश्वविद्यालय — 18+ वर्षों का अनुभव, 100+ शोध प्रकाशन और अनेक पेटेंट के साथ अत्यंत प्रतिष्ठित शिक्षाविद्। डॉ. सुषमा दुबे, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, कालींगा विश्वविद्यालय — 18 वर्षों का शिक्षण एवं शोध अनुभव, 65 प्रकाशन, 3 पेटेंट, प्रमुख वित्तपोषित परियोजनाएँ और बायोटेक्नोलॉजी विस्तार में उल्लेखनीय योगदान। डॉ. प्रीति पांडे, एसोसिएट प्रोफेसर, रसायन विभाग एवं पीएच.डी. धारक — 13 वर्षों का शिक्षण अनुभव, अनेक कार्यशालाओं/वेबिनार/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन, मखाना एवं

मशरूम पर वित्तपोषित परियोजनाएँ, NABARD सलाहकार, उद्यमिता विकास की प्रमाणित प्रशिक्षक, अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं की संपादकीय बोर्ड सदस्य तथा विश्वविद्यालय के ग्रीन हाउस, वर्मी-कम्पोस्ट, मशरूम एवं मखाना इकाइयों की प्रमुख स्थापक। डॉ. आलोक वर्मा, सहायक प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, भौतिकी विभाग, कालींगा विश्वविद्यालय — 15+ वर्षों का अनुभव, 80+ शोध पत्र, 10 पुस्तकें, 17 पुस्तक अध्याय, सामग्री विज्ञान एवं सैद्धांतिक भौतिकी में महत्वपूर्ण योगदान, तथा देशभर में विज्ञान प्रदर्शनी के सम्मानित निर्णायक। इन सभी विशेषज्ञों के सामूहिक अनुभव ने मूल्यांकन प्रक्रिया को अत्यंत निष्पक्ष, प्रभावी एवं शैक्षणिक रूप से समृद्ध बनाया। पुरस्कार प्राप्त मॉडल इस प्रकार रहे— "Grow Your Microgreens" - कृष्णा पब्लिक स्कूल इंटरनेशनल (लक्ष्मी सेन, सानिध्य नायक) आउट ऑफ द बॉक्स थिंकर अवार्ड - 5000 "Desktop Assistant" – भारत माता स्कूल, नया रायपुर (आशीष) क्यूरियस माइंड अवार्ड - 5000 "Harmless Solar Energy" - आदर्श इंटरनेशनल, नया रायपुर (ऋषभ देशमुख, मयंक शर्मा, प्रिंसी बर्हेल, मेनका साहू, हिमानी धुर्व) बेस्ट यूज़ ऑफ साइंटिफिक प्रिंसिपल्स अवार्ड - 5000 "Power Rakshak" – जे.बी. पब्लिक स्कूल (पुरब निषाद, लक्की धुर्व, पुष्कर वर्मा) मोस्ट प्रॉमिसिंग इनोवेटर्स अवार्ड 5000 "Floease" – संत ज्ञानेश्वर विद्यालय (पुर्वी साहू, गुरवंश साहू, वर्षा परीडा) बेस्ट क्राफ्ट्समैनशिप अवार्ड 5000 "ReHume Gen" – न्यूवोको पब्लिक स्कूल, बिलासपुर (सैयद काशिफ अली) बेस्ट आइडिया इन एक्शन अवार्ड - 10,000 "Solar Sanitation Kit for Women & Child Hygiene" – होली क्रॉस कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल (शौर्य सिंह, प्रियांशु सिंह) यंग इन्वेंटर अवार्ड - 12,000 "Smart and Secure Multimedia ATM" - दवारा इंटरनेशनल स्कूल, अभनपुर (प्रियांशु निर्मलकर, पीयूष प्रजापति, पूर्वा टंडन, श्रेया रितेश सोनवानी) साइंस जीनियस अवार्ड - 15,000 कार्यक्रम का संचालन श्री स्नेहशिष सरकार एवं सुश्री सुमिरा मदन, सहायक प्रोफेसर (अंग्रेज़ी) द्वारा अत्यंत सौंदर्यपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से किया गया। प्रदर्शनी में नवीकरणीय ऊर्जा, सतत तकनीक, ऑटोमेशन, महिला एवं बाल स्वच्छता, सुरक्षा प्रणालियाँ तथा अनुप्रयुक्त विज्ञान पर आधारित उल्लेखनीय नवाचारों को प्रस्तुत किया गया, जिसे सभी आगंतुकों से व्यापक सराहना मिली।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक–शुभम वर्मा द्वारा मकान नंबर 411, देवनगर, आदिवासी छात्रावास के सामने, शिव शंकर होटल के पीछे महादेव घाट रायपुरा, रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग –मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित। (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:–9300870270, 9425520408 jantakegoth@gmail.com